twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing
Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 06 जून, 2025 | वर्ष: 12 अंक: 205, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

देशहित में काम करना पार्टी विरोधी नहीं: थरूर

नई दिल्ली। भारत सरकार के डेलीगेशन में अमेरिकी दौरे पर गए कांग्रेस नेता शशि थरूर ने गुरुवार को पार्टी विरोधी बयानबाजी पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- जो लोग राष्ट्रहित में काम करने को पार्टी विरोधी गतिविधि मानते हैं, उन्हें खुद से सवाल करना चाहिए। थरूर ने यह जवाब कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के सवाल पर दिया। उन्होंने कहा- जब आप देश की सेवा कर रहे हों, तब ऐसी चीजों की ज्यादा परवाह नहीं करनी चाहिए। हमारे राजनीतिक मतभेद भारत के बॉर्डर के बाहर जाते ही खत्म हो जाते हैं। सीमा पार करते ही हम पहले भारतीय होते हैं।थरूर इन दिनों अमेरिकी दौरे पर हैं, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बने मल्टी पार्टी डेलीगेशन को लीड कर रहे हैं। सरकार के समर्थन में बोलने पर कांग्रेस नेता उदित राज ने थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता बताया।

ट्रम्प पर थरूर बोले- भारत को किसी की सलाह की जरूरत नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारत-पाक के बीच मध्यस्थता के बयान पर थरूर बोले- मैं यहां किसी विवाद को हवा देने नहीं आया हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति का सम्मान है। हमें नहीं पता उन्होंने पाकिस्तान से क्या कहा, पर हमें किसी की सलाह की जरूरत नहीं थी। हमने पहले दिन कहा था कि अगर पाकिस्तान हमला करेगा, तो हम और जोर से जवाब देंगे। और अगर वो रुक जाएगा, तो हम भी रुक जाएंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने दिया सख्त जवाब थरूर ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 7 मई को पाकिस्तान और ढड्ढड में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की, जिसका भारत ने सख्ती से जवाब दिया। 10 मई को दोनों देशों के ड्ढड की बातचीत के बाद कार्रवाई रोकी गई।

केंद्र ने थरूर को ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया को ब्रीफ करने भेजा

केंद्र की मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत का पक्ष रखने के लिए 7 डेलिगेशन को दुनिया के अलग-अलग देशों में भेजा है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर एक डेलिगेशन का नेतृत्व कर रहे हैं। यह डेलिगेशन अमेरिका, गुयाना, पनामा, ब्राजील और कोलंबिया का दौरा करेगा।

श्रीराम जन्मभूमि में श्री राम दरबार विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के बाद मुख्यमंत्री ने उतारी आरती, रामदरबार के अतिरिक्त 6 मंदिरों में विराजमान किये गये गणपति, शिव, मां दुर्गा, मां अन्नपूर्णा, शेषावतार, बजरंगबली

अयोध्या: राम दरबार सहित पूरक मंदिरों में विराजे देवी-देवता

अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में श्रीराम दरबार विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे। गुरुवार को गंगा दशहरा पर्व पर मुख्यमंत्री योगी ने देव विग्रहों की अभिजीत मुहूर्त में पूर्वाह्न 11:25 से 11:40 बजे के बीच पूजन के बाद आरती उतारी। इस अवसर पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महामंत्री चंपत राय, कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी, ट्रस्ट सदस्य डॉ. अनिल मिश्र उपस्थित रहे। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर श्रीराम दरबार सहित अष्ट देवालयों में देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान समारोह यज्ञशाला और परिसर के देवालयों में चल रहा है। मुख्य मंदिर के प्रथम तल पर श्रीराम दरबार के गर्भगृह में भगवान राम, माता जानकी, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमानजी के विग्रहों और परिसर के सभी नवनिर्मित देवालयों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में गंगा दशहरा के पावन दिन अभिजित मुहूर्त में सामूहिक मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा हुई। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र संवाद केन्द्र ने बताया कि त्रिदिवसीय समारोह के अंतिम दिन आज प्रातः साढ़े छह बजे से आह्वानित देवताओं का यज्ञमंडप में पूजन प्रारम्भ हुआ जो दो घंटे तक चला।

कभी अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं पर गोलियां चलती थीं, आज पुष्पवर्षा होती है: योगी आदित्यनाथ

अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने एक दिवसीय अयोध्या दौरे के दौरान चौधरी चरण सिंह पुष्प वाटिका में पौधरोपण किया। इसके बाद उन्होंने राम कथा पार्क में आयोजित अयोध्या नगर निगम के वर्तमान बोर्ड के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने गंगा दशहरा, सरयू महोत्सव और विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दीं, साथ ही अयोध्या के विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए नगर निगम द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि कभी अयोध्या आने वाले रामभक्तों पर गोलियां चला करती थीं, श्रद्धालुओं पर लाठी डंडे बरसाकर प्रताड़ित किया जाता था, मगर आज श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा होती है और उन्हें आरओ का शुद्ध पानी पीने को मिलता है।

इसके पश्चात नौ बजे से हवन शुरू हुआ जो घंटेभर चला। बाद में केंद्रीयकृत व्यवस्था के अंतर्गत एक साथ सभी देवालयों में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान प्रारम्भ हुआ। सभी मन्दिरों को दृश्य माध्यम (कैमरा एवं स्क्रीन) से एक साथ जोड़ा गया था। श्रीराम दरबार और शेषावतार के साथ जिन मन्दिरों में प्राण प्रतिष्ठा हुई वे हैं परकोटा के ईशान कोण पर स्थित शिव मंदिर, अग्निकोण में गणेशजी, दक्षिणी भुजा के मध्य में हनुमानजी, नैऋत्य कोण में सूर्य, वायव्य कोण में मां भगवती के साथ परकोटा की उत्तरी भुजा के मध्य में अन्नपूर्णा माता प्रतिष्ठित हुईं।

चेन्नास्वामी स्टेडियम हादसे पर कर्नाटक हाई कोर्ट ने सरकार से 10 दिन में मांगी स्टेटस रिपोर्ट

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और आरसीबी के खिलाड़ियों के खिलाफ शिकायत दर्ज

बेंगलुरु। बेंगलुरु भगदड़ मामले में कर्नाटक हाई कोर्ट ने प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर हादसे पर स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। कोर्ट ने रिपोर्ट दाखिल करने के लिये 10 दिनों का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई 10 जून को होगी। उधर, इस हादसे को लेकर एक सामाजिक कार्यकर्ता ने राज्य के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है।

हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी.एम. जोशी की पीठ ने मामले से संबंधित मीडिया रिपोर्टों पर विचार करने के बाद स्वतः संज्ञान लिया और सुनवाई की। कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर 10 जून यानी अगले मंगलवार तक मामले पर स्टेटस रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

हाई कोर्ट ने जश्न के दौरान एंबुलेंस और पुलिस की मौजूदगी को लेकर सरकार से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि हमारे पास इस दुर्घटना के कारण और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कई सुझाव आए हैं, इस पर हम विचार करेंगे।

दरअसल, याचिकाताओं की ओर

से कोर्ट के समक्ष स्टेडियम के पास अपर्याप्त व्यवस्था, स्टेडियम के सभी गेट न खोले जाने का मुद्दा उठाया गया। तब कोर्ट ने पूछा कि ऐसी घटनाओं से निपटने, राहत एवं बचाव अभियान के लिए कर्नाटक सरकार के पास क्या कोई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) है। कर्नाटक सरकार के अटॉर्नी जनरल (एजी) ने स्वीकार किया कि घटना के समय पर्याप्त संख्या में एंबुलेंस की मौजूदगी नहीं थी।

सार्वजनिक समारोहों के लिए एसओपी तैयार होगी

कर्नाटक सरकार बड़े आयोजनों और समारोहों के लिए नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करेगी। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना को रोकने के लिए प्रमुख आयोजनों, बैठकों और समारोहों के लिए एसओपी शुरू करेगी। साथ ही जश्न के दौरान भगदड़ की वजह होने वाली चूक की पहचान करने के लिए सख्त कदम उठाएगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भविष्य में होने वाले सभी बड़े आयोजनों, बैठकों और समारोहों में पुलिस विभाग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना आवश्यक होगा।

सीएम और डिप्टी सीएम के खिलाफ शिकायत दर्ज

इस बीच मामले को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने राज्य के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और आरसीबी के खिलाड़ियों के खिलाफ कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप लगाया गया है कि जन सुरक्षा में लापरवाही और प्रबंधन की विफलता के लिए सरकार जिम्मेदार है।

आरसीबी ने की मृतक परिजनों को आर्थिक मदद की घोषणा

गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने भगदड़ में जान गंवाने वाले 11 लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

आरसीबी ने कहा "कल बेंगलुरु में

केंद्र सरकार का वक़्फ उम्मीद पोर्टल गैरकानूनी और अदालत की अवमानना

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड शीघ्र ही अदालत का रुख करेगा

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने केंद्र सरकार के 6 जून से शुरू हो रहे 'वक़्फ उम्मीद पोर्टल' को गैरकानूनी और अदालत की अवमानना बताया है।उन्होंने बताया कि शीघ्र ही इस सरकारी कदम के खिलाफ न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने गुरुवार क एक बयान में कहा कि संसद से पास कराया गया वक्फ कानून इस समय सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। सभी मुस्लिम संगठनों ने इसे खारिज कर दिया है। विपक्षी दलों, मानवाधिकार

संगठनों, साथ ही सिख, ईसाई और अन्य अल्पसंख्यकों ने भी इसे अस्वीकार्य करार दिया है। अफसोस की बात है कि इसके बावजूद सरकार 6 जून से 'वक़्फ उम्मीद पोर्टल' की शुरूआत कर रही है और इसमें वक़्फ संपत्तियों के पंजीकरण को अनिवार्य बना रही है। यह पूरी तरह से सरकार की गैरकानूनी कार्रवाई है और स्पष्ट रूप से अदालत की अवमानना है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अनुसार यह पंजीकरण पूरी तरह उस विवादास्पद कानून पर आधारित है, जिसे न्यायालय में चुनौती दी गई है और जिसे संविधान के विरुद्ध बताया गया है। इसलिए मुस्लिम समुदाय एवं राज्य वक़्फ बोर्डों से अपील है कि जब तक न्यायालय इस संबंध में कोई निर्णय नहीं देता, तब तक वक़्फ संपत्तियों को इस पोर्टल पर दर्ज न किया जाए। साथ ही वक़्फ बोर्ड के मुतवल्लियों से आग्रह किया गया है कि वे एक ज्ञापन देकर यह मांग रखें कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय तक ऐसी किसी भी कार्रवाई से परहेज किया जाए। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड शीघ्र ही इस सरकारी कदम के खिलाफ न्यायालय का रुख करेगा।

हिन्दुस्थान समाचार मोहम्मद

एनसीपीसीआर ने अलग-अलग घटनाओं में 32 बच्चों को तस्करी से बचाया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने अलग-अलग घटनाओं में 32 बच्चों को बाल तस्करी से सफलतापूर्वक बचाया। यह बचाव अभियान रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के सहयोग से चलाए गए। इन बच्चों को पश्चिम बंगाल और बिहार से बाल श्रम के उद्देश्य से राजस्थान, पंजाब और हरियाणा जैसे अन्य राज्यों में तस्करी कर ले जाया जा रहा था।

आयोग ने गुरुवार को बताया कि बिहार और पश्चिम बंगाल से बच्चों की तस्करी के बारे में शिकायत मिली थी। इसपर कार्रवाई करते हुए एनसीपीसीआर ने आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर काम किया।

अभियान के दौरान सासाराम रेलवे स्टेशन पर हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस से 8 बच्चों और मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर कर्मभूमि एक्सप्रेस ट्रेन से 24 बच्चों को बचाया गया।

इन मामलों में सात आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015, बाल और किशोर (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। सभी 32 बच्चों को आगे की देखभाल और पुनर्वास के लिए संबंधित बाल कल्याण समितियों (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेश किया गया है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर नेशनल पार्क मुठभेड़ में एक करोड़ का इनामी नक्सली गौतम उर्फ सुधाकर ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क एरिया में सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ गुरुवार को हुई मुठभेड़ में तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में वांटेड नक्सली केंद्रीय कमेटी का सदस्य और एक करोड़ के इनामी गौतम उर्फ सुधाकर को ढेर कर दिया गया। मारे गये इनामी नक्सली के शव के साथ एक एके-47 राइफल भी बरामद की गई है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने इसकी पुष्टि की है।

पुलिस के अनुसार नक्सलियों केंद्रीय समिति के सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर, तेलंगाना राज्य समिति सदस्य बांदी प्रकाश, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य पप्पा राव और कुछ अन्य सशस्त्र नक्सली कैडरों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा की संयुक्त बल को अभियान के लिए रवाना किया गया था। बीजापुर के नेशनल पार्क एरिया में नक्सलियों के साथ आज सुबह हुई मुठभेड़ में तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में वांटेड नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी का सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर को ढेर कर दिया गया। गौतम उर्फ सुधाकर पर एक करोड़ रुपये का इनाम भी घोषित है। 21 मई 2025 को भाकपा

(माओवादी) के महासचिव बसवराजू की मुठभेड़ में मौत के बाद, यह देश भर में प्रतिबंधित और अवैध नक्सली संगठन के लिए एक और बड़ा झटका है । वर्ष 2024-2025 में अब तक बस्तर रेंज में 403 नक्सली कैडरों के शव बरामद किए जा चुके हैं।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। इसमें मारे गये नक्सली कैडर की पहचान नक्सलियों के केंद्रीय समिति सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि कुख्यात नक्सली गौतम उर्फ सुधाकर कई हिंसक वारदातों के लिए जिम्मेदार था, जिनमें कई सुरक्षा बलों के जवान बलिदान हुए।

दिल्ली के साकेत कोर्ट के लॉकअप में विचाराधीन कैदी की हत्या

नई दिल्ली। साकेत कोर्ट में आज एक विचारधीन कैदी की दो अन्य कैदियों ने जानलेवा हमला कर हत्या कर दी। मामला पुरानी रंजिश का बताया जा रहा है।

साकेत कोर्ट के लॉकअप में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक विचाराधीन कैदी पर दो अन्य कैदियों ने जानलेवा हमला कर दिया। कैदी की पहचान अमन (24) निवासी गोविंदपुरी, दिल्ली के रूप में हुई है। वह वर्ष 2017 के हत्या के प्रयास के मामले में आरोपित था।

पुलिस के अनुसार अमन को कोर्ट

में पेशी के लिए लाया गया था और घटना के समय खारजा नंबर-5 में कई अन्य विचाराधीन कैदी भी मौजूद थे। अचानक दो कैदी जितेन्द्र उर्फ जिट्टे (पुत्र जगदीश) और जयदेव उर्फ बच्चा पुत्र लालचंद ने अमन पर हमला कर दिया। जांच में सामने आया है कि जितेन्द्र और अमन के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी। वर्ष 2024 में जब दोनों जेल के बाहर थे, तब अमन ने कथित तौर पर जितेन्द्र और उसके भाई पर चाकू से हमला किया था। उसी पुराने विवाद के चलते बुधवार को यह झगड़ा हुआ। घटना के बाद अमन को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। इलाज के दौरान अमन की मौत हो गई। पुलिस ने हमलावरों की पहचान कर ली है और आगे की कार्रवाई जारी है।

देश में मानसून की चाल पड़ी धीमी, अगले हफ्ते से फिर पकड़ेगा रफ्तार

नई दिल्ली

16 साल बाद अपने तय समय से पहले दस्तक देने वाले मानसून की रफ्तार अब धीमी पड़ गई है। मानसून को वापस अपनी रफ्तार पकड़ने में थोड़ा वक्त लग सकता है। भारतीय मौसम विभाग का कहना है कि, बंगाल की खाड़ी में एक नया मौसम तंत्र बनने की संभावना है, जिससे मानसून दोबारा सक्रिय होगा। फिर देश के शेष हिस्सों में आगे बढ़ेगा। दरअसल, इस वर्ष मानसून ने 24 मई को केरल में समय से पहले दस्तक दी। यह पिछले 16 वर्षों में सबसे जल्द शुरूआत रही। मानसून की चाल में उतार-चढ़ाव आना मौसम की सामान्य विशेषता है। करीब चार महीने तक चलने वाले इस मानसूनी सीजन में कभी जोरदार बारिश तो कभी सुस्ती का दौर चलता है। लेकिन इस बार चौंकाने वाली बात यह है कि सीजन की शुरूआत में ही यह ठहराव आ गया है, जो आमतौर पर देखने को नहीं मिलता।

धर्मांतरण हिंसा है, घर वापसी स्वीकार होनी चाहिए: सरसंघचालक

युद्ध की स्थिति में सर्वदलीय नेताओं के भूमिका की सराहना

नागपुर। सरसंघचालक डॉ मोहनराव भागवत ने कहा कि भारतीय संस्कृति की जड़ें आदिवासी समाज में हैं और उन्होंने देश की परंपरा को बचाए रखा है। इसलिए आदिवासी क्षेत्रों में धर्मांतरण का मुद्दा गंभीर है। अगर कोई पूरे मन से पूजा पद्धति बदल रहा है, तो उस पर किसी को आपत्ति होने का सवाल ही नहीं उठता। लेकिन तरह-तरह के लालच दिखाकर और जबरदस्ती दूसरा धर्म स्वीकार करने के लिए मजबूर करना गलत है। सरसंघचालक ने कहा

कि धर्मांतरण हिंसा है। अगर इस तरह से धर्मांतरित व्यक्ति घर वापसी कर रहा है, तो उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग-2 का गुरुवार को नागपुर मे समापन हुआ। स्थानीय रेशमबाग मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री अरविंद नेताम, प्रांत संघचालक दीपक तमशेट्टीवार, महानगर संघचालक राजेश लोया और वर्ग सरवाधिकारी समीर कुमार महांती मौजूद रहे।

इस अवसर पर सरसंघचालक ने कहा कि आदिवासी हमारे समाज का हिस्सा हैं। धर्मांतरण और अन्य मुद्दों पर हम आदिवासी समुदाय के साथ यथासंभव सहयोग करेंगे। सरकार और प्रशासन मददगार हो सकते हैं, लेकिन संबंधित लोगों को भी इस काम में भाग लेना चाहिए।

सरसंघचालक ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद सरकार और सेना ने आवश्यक कार्रवाई की। इस घटना ने भारतीय सेना की क्षमता और वीरता को दुनिया के सामने ला दिया। इसने साबित कर दिया।

कि विभिन्न अनुसंधान कितने आवश्यक और उपयोगी हैं। इसने केंद्र सरकार की दृढ़ता को भी दिखाया।

राहुल गांधी देश, सेना के स्वाभिमान, आत्मसम्मान को कुचल रहे हैं: भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान 'भारत के सरेन्डर' के आक्षेप पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आज़ादी के बाद भारत का इतिहास कांग्रेस के पाकिस्तान के समक्ष 'सरेन्डर' (आत्मसमर्पण) की घटनाओं से भरा पड़ा है और इसी खतरनाक मानसिकता वाली आदत, फितरत और शरारत के तहत वह देश और सेना के स्वाभिमान एवं आत्मसम्मान को कुचल रहे हैं।भाजपा के प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने यहां पार्टी के मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, एक तरफ भारत द्वारा भेजे गये संयुक्त संसदीय दल में तमाम विपक्षी दलों के सांसद, जिसमें कांग्रेस के सांसद भी है। वो दुनिया के भिन्न-भिन्न देशों में भारत के पक्ष को गंभीरता के साथ और पूरे राष्ट्र की एकजुटता के साथ रखकर वापस आ रहे हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस के स्वघोषित, स्वनामधन्य, सर्वकालीन सर्वोच्च नेता और विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी निहायत ही ओछी और स्तरहीन बातें करके यह विश्व को बता रहे हैं कि नेता प्रतिपक्ष का पद पाने के बाद भी उनके अंदर गंभीरता और नेता प्रतिपक्ष की परिपक्वता का घोर अभाव है। डॉ

त्रिवेदी ने कहा कि श्री राहुल गांधी ने जिस प्रकार से हमारी सेना द्वारा दिखाये गये अप्रतिम शौर्य और सेना के अधिकारियों द्वारा जिस प्रकार से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का विवरण दिया है, उसको सरेंडर से तुलना करना... ये दर्शाता है कि ये मानसिकता कितनी रोगी और कितनी खतरनाक हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक ऐसा बयान दिया है जो अपरिपक्वता के स्तर को दर्शाता है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की तुलना आत्मसमर्पण से करना न केवल हमारे भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति गहरा अनादर दर्शाता है, बल्कि उनकी कमज़ोर मानसिकता को भी उजागर करता है। अब तक उन्हें पाकिस्तान का पोस्टर बॉय माना जाता रहा है, लेकिन पाकिस्तानी सेना या उनके आतंकवादी संगठनों ने भी ऐसी शर्मनाक टिप्पणी नहीं की है।भाजपा प्रवक्ता ने कहा, राहुल गांधी ने ऐसा बयान दिया है जो पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने भी नहीं बोला, पाकिस्तान के किसी आतंकवादी संगठन ने भी नहीं बोला, मौलाना मसूद अजहर ने भी नहीं बोला, हाफिज सईद ने भी नहीं बोला। इसमें किसी ने यह शब्द नहीं बोला है कि भारत ने सरेंडर किया है, बल्कि उन लोगों ने अपनी-अपनी तकलीफों का इजहार गाहे-बगाहे किया है। और राहुल गांधी जब यह बोल रहे हैं तो मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या आप उन नेताओं से एक कदम आगे जाना चाह रहे हैं? डॉ. त्रिवेदी ने कहा, भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की घोषणा की थी, भाजपा नेताओं या उनके प्रवक्ताओं ने नहीं। जिस तरह से राहुल गांधी ने सशस्त्र बलों की सफलता की तुलना 'आत्मसमर्पण' से की, वह उनकी वीरता और बलिदान का स्पष्ट अपमान है। मैं आपको एक उदाहरण देता हूं कि असली आत्मसमर्पण कैसा होता है।

भारत ने पाकिस्तान को एडीबी की वित्तीय सहायता का किया कड़ा विरोध

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) द्वारा पाकिस्तान को किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता दिए जाने का कड़ा विरोध किया है। सरकारी सूत्रों ने आज कहा कि भारत ने एडीबी संसाधनों के संभावित दुरुपयोग के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की, विशेष रूप से पाकिस्तान के बढ़ते रक्षा व्यय, उसके घटते कर जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) अनुपात और प्रमुख व्यापक आर्थिक सुधारों पर स्पष्ट प्रगति की कमी का हवाला देते हुये यह विरोध जताया है। भारत ने एडीबी को अपने संसाधनों के दुरुपयोग की संभावना के बारे में भी आगाह किया है। सूत्रों ने कहा कि विकास के विपरीत, अपनी सेना पर व्यय में वृद्धि के बीच पाकिस्तान के संबंध को केवल उसके घरेलू संसाधन जुटाने के संदर्भ में पूरी तरह से नहीं समझाया जा सकता है। भारत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जीडीपी के हिस्से के रूप में पाकिस्तान का कर संग्रह वित्त वर्ष 2018 में 13.0 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2023 में 9.2 प्रतिशत रह गया और यह एशिया और प्रशांत क्षेत्र के औसत 19.0 प्रतिशत से काफी कम बना हुआ है। हालांकि, इसी अवधि में रक्षा खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह इस बात की ओर इशारा करता है कि देश को उपलब्ध कराए गए फंड को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं (आईएफआई) समेत बाहरी एजेंसियों द्वारा डायवर्ट किया जा सकता है, खास तौर पर वे जो पॉलिसी बेस्ड लोन जैसे साधनों के जरिए फंगसिबल डेट फाइनेंसिंग के जरिए उपलब्ध कराए जाते हैं, ताकि रक्षा खर्च में बढ़ोतरी हो।

जासूसी के आरोप में यूट्यूबर गिरफ्तार

मोहाली। पंजाब के मोहाली में राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) ने रूपनगर के गांव महलान निवासी यूट्यूबर जसबीर सिंह को गिरफ्तार कर एक महत्वपूर्ण जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि एक खुफिया जानकारी मिलने के बाद यह कार्रवाई की गयी। उन्होंने बताया कि जसबीर सिंह, जो 'जान महल' नामक एक यूट्यूब चैनल संचालित करता है, को पीआईओ शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा के साथ जुड़ा पाया गया है, जो एक आतंकवाद-समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा है। उसके हरियाणा स्थित यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा (जासूसी के लिए गिरफ्तार) और पाकिस्तानी नागरिक और पाकिस्तान उच्चायोग से निष्कासित अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के साथ भी घनिष्ठ संपर्क बनाए रखा। डीजीपी ने बताया कि जांच से पता चला है कि जसबीर, दानिश के निमंत्रण पर दिल्ली में पाकिस्तान राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में शामिल हुआ था, जहाँ उसने पाकिस्तानी सेना अधिकारियों और व्लॉगर्स से मुलाकात की थी। वह वर्ष 2020, 2021, 2024 में पाकिस्तान गया था और उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में पाकिस्तान के कई नंबर थे, जिनकी अब विस्तृत फोरेंसिक जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी के बाद, जसबीर ने पहचान से बचने के लिए इन पीआईओ के साथ अपने संचार के सभी निशान मिटाने का प्रयास किया। डीजीपी ने कहा कि इस संबंध में एसएसओसी, मोहाली में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। व्यापक जासूसी-आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने और जसवीर के सभी सहयोगियों की पहचान करने के लिए जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने और ऐसे राष्ट्र-विरोधी तत्वों द्वारा उत्पन्न सभी खतरों को बेअसर करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

'आरसा' का आतंकी नेटवर्क बेनकाब, दिल्ली और राजस्थान के रोहिंग्याओं को शामिल करने की थी कोशिश

कोलकाता। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर बंगाल सहित पूर्वोत्तर भारत में आतंकी साजिश रच रहे 'अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी' यानी 'आरसा' के नेटवर्क को कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार की विशेष जांच टीम ने समय रहते बेनकाब कर दिया है। दिल्ली, राजस्थान और जम्मू के रोहिंग्याओं को इस साजिश में शामिल करने की कोशिश की जा रही थी। अब तक उत्तर भारत में ऐसे कम से कम 20 रोहिंग्याओं की पहचान की जा चुकी है, जिनका ब्रेनवॉश कर उन्हें हमले के लिए तैयार किया गया था। कोलकाता पुलिस मुख्यालय लाल बाजार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इन संदिग्धों से पूछताछ के बाद उत्तर बंगाल के बांग्लादेश सीमा से सटे इलाकों में छिपे दो और रोहिंग्याओं की जानकारी मिली है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि इनकी मदद से बंगाल में किसी बड़ी हमले की साजिश की योजना तो नहीं थी। जानकारी के मुताबिक, आरसा' को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से समर्थन मिल रहा है। इस आतंकी संगठन का सरगना आताउल्लाह अबू अम्मार जुनुनी मूल रूप से रोहिंग्या है लेकिन उसका जन्म पाकिस्तान के कराची में हुआ था और उसने मध्य-पूर्व में शिक्षा प्राप्त की। म्यांमार के रखाइन राज्य में उसने 'अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी' की स्थापना की, जो मुख्य रूप से रोहिंग्याओं को शामिल कर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देता है। पिछले साल आताउल्लाह ने बांग्लादेश के कई हिस्सों में छिपकर आतंकी साजिशों को अंजाम देना शुरू किया। वहीं से उसका संपर्क आईएसआई से हुआ। रणनीति के तहत भारत में घुसे रोहिंग्या शरणार्थियों का इस्तेमाल किया गया ताकि अजनबी चेहरों के जरिए साजिश को अंजाम दिया जा सके। इससे पहले भी बोधगया विस्फोट में रोहिंग्याओं के इस्तेमाल का मामला सामने आ चुका है।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा, केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने दी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली । संसद के मानसून सत्र की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा, जो कि 12 अगस्त तक चलेगा। इसकी जानकारी संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को दी। यानी कि 23 दिन तक संसद के मानसून सत्र में इस बार कई अहम बिलों और मुद्दों पर चर्चा होगी। संसद के मानसून सत्र पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'हमने संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई को बुलाने का फैसला किया है और यह 12 अगस्त तक चलेगा। संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति ने तारीख तय कर ली है और हम दोनों सदनों को बुलाने के लिए राष्ट्रपति को प्रस्ताव भेजेंगे। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर उन्होंने कहा, 'इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव के संबंध में मैंने राजनीतिक दलों के साथ चर्चा शुरू कर दी है। अधिकांश प्रमुख राजनीतिक दलों को पहले ही बता दिया गया है और हमने एक सहयोगात्मक प्रयास की मांग की है, जहां सभी राजनीतिक दल एक साथ आएं और संयुक्त रूप से प्रस्ताव पेश करें। इससे पहले भारत सरकार के सूत्रों ने जानकारी दी थी कि संसद के मानसून सत्र में केंद्र सरकार दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव ला सकती है। केंद्र सरकार ने संसद के मानसून सत्र की तारीख का ऐलान ऐसे वक्त में किया है, जब विपक्ष की ओर से लगातार पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की जा रही है। इससे पहले संसद का बजट सत्र दो हिस्सों में आयोजित किया गया था।

संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति ने तारीख तय कर ली है और हम दोनों सदनों को बुलाने के लिए राष्ट्रपति को प्रस्ताव भेजेंगे।

पहला सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ था और 13 फरवरी तक चला। वहीं संसद के बजट सत्र का दूसरा भाग 10 मार्च को शुरू हुआ था और चार अप्रैल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया था। इससे पहले कांग्रेस समेत 16 विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त चिट्ठी लिखी थी। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया था कि इंडिया गठबंधन के 16 राजनीतिक दलों की एक अनौपचारिक बैठक हुई, जिसमें कांग्रेस पार्टी की तरफ से शामिल हुआ। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तुरंत संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग रखी है। जब पहलगाम में आतंकी हमला हुआ तब कांग्रेस पार्टी और तमाम विपक्षी दलों ने देश के सशस्त्र सैन्य बलों और सरकार को जवाबी कार्रवाई करने के लिए अपना पूर्ण समर्थन दिया। उन्होंने बताया था कि जब अमेरिका द्वारा सीजफायर की घोषणा की गई, उसके बाद विपक्ष ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग उठाई। ताकि सभी सांसद और सभी दल संसद के माध्यम से एकजुटता के साथ अपने सशस्त्र बलों के शौर्य का धन्यवाद कर सकें और सरकार संसद में हर पहलू पर बिंदुवार ढंग से अपनी बात रखे।

जी-7 के शिखर सम्मेलन के लिए भारत को आमंत्रित नहीं किए जाने पर प्रमोद तिवारी ने उठाए सवाल

● कहा यह 'कमजोर विदेश नीति' का नतीजा

एजेंसी

नई दिल्ली । कनाडा में होने वाले जी-7 के शिखर सम्मेलन में भारत को आमंत्रित नहीं किए जाने पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने केंद्र सरकार को घेरा और इसे सरकार की कमजोर विदेश नीति करार दिया है। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद ने कहा कि पीएम मोदी की कमजोर विदेश नीति और गैर जिम्मेदाराना व्यवहार के कारण हम दुनिया में अलग-थलग पड़ गए हैं। भारत-पाकिस्तान के साथ हाल के दिनों में जिस प्रकार से युद्ध की स्थिति पैदा हुई, कोई भी देश भारत के साथ खड़ा नहीं हुआ। नेपाल, भूटान, श्रीलंका जैसे देश ने भारत का पक्ष नहीं लिया। दूसरी ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर के लिए मध्यस्थता की बात कहकर हमें अपमानित किया।

कांग्रेस सांसद ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने 'आत्मसमर्पण' कर दिया था। कांग्रेस सांसद ने कहा कि सच का तीर राहुल गांधी ने छोड़ा है जो भाजपा के पाप की हंडिया में सीधे जाकर लगा है। भाजपा हतोत्साहित और मानसिक रूप से व्यथित हो गई है। इसलिए वे असंसदीय भाषा में हमला कर रहे हैं। मैं पूछता हूं कि अगर भाजपा में हिम्मत है तो पीएम नरेंद्र मोदी से कहें कि वह इसके बारे में अपनी बात रखें और कहें कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। विपक्षी दल के नेता के तौर पर राहुल गांधी ने वही कहा है जो देश के प्रति उनकी जिम्मेदारी थी। पूरी दुनिया जानती है कि डोनाल्ड ट्रंप ने 12 बार कहा है कि उन्होंने व्यापार के नाम पर युद्ध विराम कराया है। इसलिए राहुल गांधी ने अपना कर्तव्य निभाया। कांग्रेस सांसद ने कहा कि हमें एक मजबूत प्रधानमंत्री की उम्मीद थी।

मप्र के झाबुआ में वैन पर पलटा सीमेंट से भरा ट्रॉला, नौ लोगों की मौत

एजेंसी

झाबुआ। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में थांदला-मेघनगर के बीच संजेली रेलवे फाटक के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां सीमेंट से भरा एक ट्रॉला अनियंत्रित होकर ओमनी वैन पर पलट गया। इस हादसे में वैन में सवार नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच साल के बच्चे समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में चार बच्चे, तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मेघनगर तहसील के शिवगढ़ महुड़ा निवासी दो परिवार के लोग वैन में सवार होकर मंगलवार की रात झाबुआ में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने गांव लौट रहे थे। तड़के तीन बजे के करीब भावपुरा गांव के पास यह हादसा हो गया। यहां राजस्थान से सीमेंट लेकर आ रहा ट्रॉला बेकाबू होकर वैन पर पलट गया। सूचना मिलते ही थांदला और मेघनगर पुलिस टीम एम्बुलेंस के साथ मौके पर पहुंची। सभी को थांदला सिविल अस्पताल और मेघनगर अस्पताल ले जाया गया। झाबुआ के पुलिस अधीक्षक पदम विलोचन शुक्ला ने बताया कि मेघनगर के ग्राम भावपुरा में निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के पास मोड़ पर सीमेंट से भरा एक ट्रॉला अनियंत्रित होकर ओमनी वैन पर पलट गया।

'ऐसी घटनाएं लोकतंत्र की जड़ों पर हमला', सुप्रीम कोर्ट ने 2021 के बंगाल हिंसा मामले में छह आरोपियों की जमानत रद्द की

● सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि आरोपियों को जमानत पर रिहा करने से समाज में 'भय और आतंक' पैदा होने की संभावना है।

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने 2021 के पश्चिम बंगाल हिंसा मामले के छह आरोपियों की जमानत को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं लोकतंत्र की जड़ों पर हमला हैं। दरअसल, सभी आरोपी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ता हैं और उन पर 2021 के पश्चिम बंगाल हिंसा के दौरान एक हिंदू परिवार पर हमला करने का आरोप है। इन सभी छह आरोपियों को कलकत्ता हाईकोर्ट ने जमानत दी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट के जमानत के आदेश को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में सभी आरोपियों की जमानत रद्द करते हुए उन्हें दो सप्ताह के अंदर निचली अदालत के सामने सरेंडर करने का आदेश दिया। साथ ही सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में निचली अदालत में चल रही सुनवाई में तेजी लाने

का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत को छह महीने के भीतर सुनवाई पूरी करने का निर्देश भी दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि उसे यह पता चला है कि लगभग 40-50 हमलावरों ने पीड़ित के घर में तोड़फोड़ और लूटपाट की। इतना ही नहीं, उसकी पत्नी को बालों से खींचा, जबरन उसके कपड़े उतारे और फिर उसका यौन शोषण किया। उसने खुद पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगाने की धमकी दी और उसके बाद वह वहां से भागने में सफल रही थी।सर्वोच्च अदालत ने आरोपियों की जमानत रद्द करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कार्यकर्ताओं की कड़ी आलोचना भी की। कोर्ट ने कहा कि ऐसी घटनाएं 'लोकतंत्र की जड़ों पर हमला' हैं। आरोपियों के खिलाफ आरोप इतने गंभीर हैं कि उनका समाज पर 'प्रतिकूल प्रभाव' पड़ता है और 'अदालत की अंतरात्मा को झकझोरता है'। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि आरोपियों को जमानत पर रिहा करने से समाज में 'भय और आतंक' पैदा होने की संभावना है। जमानत के दौरान आरोपी फरार हो सकते हैं या सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं और मुकदमे को प्रभावित भी कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इस मामले में पुलिस अधिकारी ने एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया था और पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने के बजाय गांव छोड़ने के लिए कहा था।

न्यायपालिका को सत्ता के समक्ष सच्चाई रखने की हकदार के तौर पर भी देखा जाना चाहिए: गवई

एजेंसी

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा है कि लोकतंत्र में न्यायपालिका को न केवल न्याय देना चाहिए, बल्कि उसे एक ऐसी संस्था के रूप में भी देखा जाना चाहिए जो सत्ता के सामने सच्चाई को रखने की हकदार है। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कोई भी व्यवस्था चाहे वह कितनी भी मजबूत क्यों न हो, उसमें कुछ न कुछ खामियां जरूर सामने आती हैं और उन्हें दूर करने के प्रयास तत्काल किए जाने चाहिए। कोई भी व्यवस्था पेशेवर कदाचार के मुद्दों के प्रति संवेदनशील होती है और दुख की बात है कि न्यायपालिका के भीतर भी भ्रष्टाचार और कदाचार के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा, ऐसी घटनाओं का जनता के विश्वास पर नकारात्मक

प्रभाव पड़ता है, जिससे पूरी व्यवस्था की अखंडता पर लोगों का भरोसा कम हो सकता है , हालांकि इस विश्वास को फिर से बहाल करने का रास्ता इन मुद्दों से निपटने और हल करने के लिए की गई त्वरित, निर्णायक और पारदर्शी कार्रवाई में निहित है।

देश में कोविड-19 के मामले बढ़कर 4,302; पिछले 24 घंटों में सात लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में बुधवार सुबह आठ बजे तक कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 4,302 हो गई है, जबकि यह संख्या 4,026 थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रिपोर्ट जारी करके आंकड़ों की सूचना दी। पिछले 24 घंटों में करोना संक्रमण से सात लोगों की मौत हो गयी। इस अवधि में इस कोविड-19 संक्रमण के 300 नये मामले सामने आए हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इस बीच, 3,281 मरीज ठीक हो चुके हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। हाल ही में पश्चिम बंगाल में 60, उत्तर प्रदेश में 63 और दिल्ली में 64 नए मामले सामने आए हैं। एक दिन पहले ही दिल्ली में 47 और केरल में 35 नए मामले सामने आए थे। स्वास्थ्य अधिकारी स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। अस्पताल में भर्ती होने की दर हालांकि अपेक्षाकृत कम है। हिमाचल प्रदेश में पहली बार सिरमौर जिले के नाहन में नवीनतम उछाल का पहला मामला सामने आया, जो वायरस के क्षेत्रों में निरंतर प्रसार का संकेत देता है। जबकि कई देशों में कोविड-19 के मामलों में फिर से वृद्धि देखी जा रही है। कुल मिलाकर मृत्यु दर कम बनी हुई है तथा अधिकांश संक्रमित व्यक्तियों में हल्के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। दिल्ली और उत्तराखंड की सरकारों ने अस्पतालों से पर्याप्त बेड, ऑक्सीजन की आपूर्ति, दवाइयों और टीकों को सुनिश्चित करके पर्याप्त रूप से तैयार रहने का आग्रह करते हुए सलाह जारी की है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान में देश में सबसे प्रचलित वैरिएंट जेएन.1 है, जो परीक्षण किए गए नमूनों का 53 प्रतिशत है, इसके बाद बीए .2 26 प्रतिशत है तथा ओमिक्रॉन सबलाइनेज शेष 20 प्रतिशत हैं।

भारत ने पाकिस्तान के 9 से अधिक ठिकानों को पहुंचाया नुकसान, ऑपरेशन सिंदूर पर डोजियर में कबूलनामा

नई दिल्ली । पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकियों के ठिकाने को ध्वस्त किया था। इसी बीच पाकिस्तान डोजियर ने भारत के हमले में हुए नुकसान को लेकर बड़ा कबूलनामा किया है। पाकिस्तान के ऑपरेशन 'बुनयान उन मार्सोस' पर आधिकारिक डोजियर में बताया गया है कि भारत ने कम से कम आठ अतिरिक्त ठिकानों पर हवाई हमला किया है। जिनका खुलासा भारत की तरफ से पहले नहीं किया गया था। पाकिस्तानी डोजियर के सैटेलाइट इमेज में पेशावर, झंग, सिंध में हैदराबाद, पंजाब में गुजरात, गुजरांवाला, बहावलनगर, अटक और छोर जैसे प्रमुख शहर है, जिसमें तबाही का जिक्र किया गया है। आपको बता दें कि भारतीय वायु सेना या सैन्य संचालन महानिदेशक ने अपनी प्रेस ब्रीफिंग में पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की सार्वजनिक रूप से जानकारी दी थी। यह डोजियर 'ऑपरेशन सिंदूर' के द्वारा पाकिस्तान को हुए नुकसान को लेकर बड़ी जानकारी देता है और इसे पाकिस्तान की ओर से सीजफायर के लिए तत्काल आह्वान के पीछे एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में देखा जा रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आंतकियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था। जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरुकता के लिए शिक्षा मंत्रालय की पहल

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में एमवाईजीओवी प्लेटफॉर्म पर जागरूकता प्रश्नोत्तरी शुरू की है। इसका उद्देश्य तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना और लोगों को इसके विकल्पों के महत्व के बारे में बताना है। शिक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि इस प्रश्नोत्तरी को 12 भाषाओं में उपलब्ध कराया गया है, जिनमें अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी, ओड़िया और पंजाबी शामिल हैं। प्रश्नोत्तरी में भाग लेने वालों को 10 प्रश्नों के लिए 300 सेकेंड का समय दिया गया है। यह प्रश्नोत्तरी 22 जुलाई तक चलेगी। उल्लेखनीय है कि 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया जाता है।

यह प्रश्नोत्तरी मुफ्त है और सभी के लिए सुलभ है। सभी प्रतिभागियों को एमवाईजीओवी की ओर से डिजिटल प्रमाणपत्र मिलेगा, जो एक स्वस्थ और तंबाकू मुक्त भारत के निर्माण में उनके योगदान को मान्यता देगा। प्रश्नोत्तरी में भागीदारी आसान है और सभी के लिए खुली है।

दिल्ली में फुटपाथ पर कबूतरों को दाना डालने की प्रथा पर एनजीटी सख्त

नई दिल्ली। दिल्ली में फुटपाथ और सड़कों पर कबूतरों को दाना डालने की प्रथा को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली सरकार और विभिन्न एजेंसियों को नोटिस भेजा है। एनजीटी ने दिल्ली सरकार के साथ पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस एक आवेदन के बाद जारी किया गया, जिसमें कबूतरों के सूखे मल के धूल के साथ मिलने से होने वाले नुकसान की समस्या उठाई गई थी। आवेदन करने वाले कानून के छात्र अरमान पल्लीवाल ने दावा किया कि कबूतरों का मल गंभीर फेफड़ों की बीमारियां जैसे हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस का कारण बनता है, जिससे फेफड़ों में जख्म और सांस लेने में कठिनाई होती है। आवेदन में कहा गया कि कबूतरों को खिलाने और उनकी संख्या बढ़ने के कारण, वे फुटपाथ और यातायात वाले स्थानों पर मल त्यागते हैं, और जब इन भोजन वाले क्षेत्रों को साफ किया जाता है, तो सूखे मल के विषैले कण धूल के साथ मिल जाते हैं, जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। गत 29 मई को पारित अपने आदेश में न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. ए. सेंथिल वेल की पीठ ने कहा कि एनजीटी के समक्ष दायर आवेदन में पर्यावरण मानदंडों के अनुपालन से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया गया है।

देश हित कांग्रेस के लिए मायने नहीं रखता : प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली । भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने सलमान खुर्शीद और शशि थरूर पर कांग्रेस के हमलावर होने पर सवालिया लहजे में कहा कि विदेश की धरती पर देश हित की बात करना गुनाह हो गया है क्या कांग्रेस पार्टी के लोग हर चीज में अपनी राजनीति को देखते हैं, देश हित उनके लिए मायने नहीं रखता है। उन्होंने कहा कि यह बहुत शर्म की बात है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं को कोसने में लगी है और यह वह नेता हैं, जो विदेश की धरती पर भारत की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा से जुड़े मसले पर विभिन्न दलों के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल विदेश में है, निश्चित रूप से वह भारत की बात करेंगे, भारत का पक्ष रखेंगे और कहीं ना कहीं पाकिस्तान ने क्यों आतंकवाद को अपने यहां पनाह दे रखा है, उसे बात को स्पष्ट कहेंगे और ऐसा उनसे अपेक्षा भी की जाती है।

सर्जिकल स्ट्राइक शुरू करने के दिन ही पाकिस्तान को दी गई थी जानकारी : सीडीएस

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि हमने 7 मई को सर्जिकल स्ट्राइक शुरू करने के दिन ही पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। उन्होंने कहा कि किसी भी मिलिट्री ऑपरेशन में नुकसान होना महत्वपूर्ण नहीं होता, बल्कि सफलता लक्ष्य पाने से आंकी जाती है। उन्होंने कहा कि तकनीकी मापदंडों के आधार पर विशेष डेटा निकाल कर इस संघर्ष में हुए नुकसान की जानकारी साझा की जाएगी। सीडीएस जनरल अनिल चौहान आज पुणे में सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी के रक्षा एवं रणनीतिक विभाग की ओर से 'फ्यूचर वार एंड वारफेयर' विषय पर संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। पिछले दिनों सिंगापुर में दिए गए बयान की चर्चा अभी खत्म भी नहीं हुई थी कि उन्होंने आज कहा कि हमने 7 मई को सर्जिकल स्ट्राइक

शुरू करने के दिन ही पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। इसके बाद जब पाकिस्तान की तरफ से बयानबाजी हुई, तो हमने यह भी कहा कि अगर पाकिस्तान हम पर हमला करता है, सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करता है, तो हम जवाबी हमला करेंगे, उन पर और भी जोरदार हमला करेंगे। सिंगापुर में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की तरफ से हुए नुकसान के बारे में पूछे जाने पर सीडीएस ने कहा कि जब मुझसे हमारी तरफ से हुए नुकसान के बारे में पूछा गया, तो मैंने कहा कि ये महत्वपूर्ण नहीं है। परिणाम और आप कैसे कार्य करते हैं, ये महत्वपूर्ण है। नुकसान के बारे में बात करना बहुत सही नहीं होगा। मान लीजिए आप क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने जाते हैं और आप किसी तरह से जीत जाते हैं, तो कितने विकेट, कितनी गेंदें और कितने खिलाड़ी हैं, इसका सवाल नहीं रह जाता है। तकनीकी मापदंडों के आधार पर हम यह विशेष डेटा निकालेंगे और आपके साथ साझा करेंगे। हम आपको बताएंगे कि हमने कितने विमान नष्ट किए और कितने रडार नष्ट किए। हम इसका एक मोटा आकलन करेंगे और जल्द ही इसके बारे में बताएंगे। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि 10 मई को रात करीब 1 बजे उनका (पाकिस्तान का) लक्ष्य भारत को 48 घंटे में घुटने टेकने पर मजबूर करना था।

13वीं पेंशन अदालत कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह बुधवार को विज्ञान भवन में 13वीं पेंशन अदालत कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान वे काफी समय से लंबित 415 पारिवारिक पेंशन शिकायतों का निवारण कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस दौरान 19 विभागों तथा मंत्रालयों के पारिवारिक पेंशन मामलों से सम्बंधित 415 शिकायतों को निवारण के लिए अदालत में सुनवाई की जाएगी। इसका उद्देश्य पुरानी और लंबे समय से लंबित शिकायतों का समाधान करना है। इससे पेंशनभोगियों को पारिवारिक पेंशन शुरू होने में देरी के कारण भारी बकाया के रूप में हो या प्रक्रियागत देरी के कारण पेंशन का सही तरीके से प्रसंस्करण और वितरण न किये जाने की स्थिति में उनके उचित हक का भुगतान करने में सुविधा होगी।

अब समय से पता चल जाएगा मतदान प्रतिशत

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मतदान रुझानों की समय से जानकारी उपलब्ध कराने के लिए अपनी प्रक्रिया को तकनीकी और त्वरित बनाने का निर्णय लिया है। इससे पुराने मैनुअल तरीके की तुलना में देरी कम होगी और मतदान प्रतिशत से जुड़ी जानकारी समय पर मिल सकेगी। इससे पहले मतदान प्रतिशत का आंकड़ा क्षेत्रीय अधिकारी फोन, संदेश या एसएमएस से भेजता था। जानकारी देर रात या अगले दिन तक अपडेट होती रहती थी। इससे असल आंकड़े जारी होने में 4 से 5 घंटे की देरी होती थी और कई बार इससे गलत धारणाएं बनती थीं। आयोग का कहना है कि नई प्रक्रिया से यह समस्या समाप्त होगी। चुनाव संचालन नियम 1961 के नियम 49एस के अंतर्गत, प्रत्येक मतदान केंद्र के 'प्रेसाइडिंग ऑफिसर' को मतदान समाप्ति के बाद 'फॉर्म 17सी' मतदान एजेंटों को देना आवश्यक है। यह कानूनी प्रावधान यथावत रहेगा। इसके साथ ही 'वोटर टर्नाआउट' (वीटीआर) ऐप को अब एक नया रूप दिया जा रहा

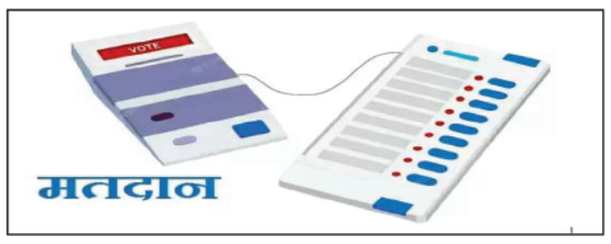

है। इसका उद्देश्य आंकड़ों को तेजी से अपडेट करना है। नया 'वीटीआर ऐप' अब 'ईसीआईनेट' का हिस्सा बनेगा और बिहार चुनाव से पहले पूरी तरह लागू किया जाएगा। चुनाव आयोग के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार लगातार समय से जानकारी हितधारकों तक पहुंचाने पर जोर देते रहे हैं। अब नए सिस्टम में हर 'प्रेसाइडिंग ऑफिसर' मतदान के दिन हर दो घंटे में सीधे 'ईसीआईनेट' ऐप पर मतदान प्रतिशत दर्ज करेगा। यह आंकड़े स्वतः निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एकत्र होंगे। मतदान प्रतिशत हर दो घंटे में पहले की तरह प्रकाशित होते रहेंगे। वहीं, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतदान केंद्र छोड़ने से पहले 'प्रेसाइडिंग ऑफिसर' ईसीआईनेट ऐप में आंकड़े दर्ज करेगा। नेटवर्क उपलब्ध न होने की स्थिति में जानकारी ऑफलाइन दर्ज की जा सकेगी और नेटवर्क उपलब्ध होते ही सिंक हो जाएगी।

प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश के 'योग आंध्र-2025' अभियान को सराहा

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंध्र प्रदेश सरकार के 'योग आंध्र-2025' अभियान की सराहना की है, जिसका उद्देश्य योग को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस पहल से निश्चित रूप से लोगों को लाभ होगा। मोदी ने कहा कि वे 21 जून को आंध्र प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए उत्साहित हैं। प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश के चित्तूर के निकट आयोजित योग आंध्र 2025 कार्यक्रम में योग प्रेमियों की जीवंत भागीदारी की सराहना की। यह कार्यक्रम पुलिगुंडु ट्विन हिल्स के बीच आयोजित किया गया, जहां 2000 से अधिक योग प्रेमी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2025 की तैयारी के लिए आंध्र प्रदेश में महीने भर चलने वाले कार्यक्रम की शुरुआत करने के लिए एकत्रित हुए। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा, योग दिवस 2025 के प्रति उत्साह देखकर खुशी हो रही है। योग

आंध्र-2025 योग को लोकप्रिय बनाने के लिए आंध्र प्रदेश के लोगों द्वारा किया गया एक सराहनीय प्रयास है। मैं 21 तारीख को आंध्र प्रदेश में योग दिवस मनाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। मैं आप सभी से योग दिवस मनाने और योग को अपने जीवन का नियमित हिस्सा बनाने का आह्वान करता हूं।'

योग आंध्र-2025 अभियान के मुख्य बिंदुः

- आंध्र प्रदेश में योग को बढ़ावा देने के लिए एक महीने का अभियान
- 1.13 करोड़ से अधिक लोगों ने योगाभ्यास के लिए पंजीकरण कराया
- 21 जून को विशाखापत्तनम में योग दिवस समारोह में प्रधानमंत्री मोदी शामिल होंगे
- आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू भी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे
- योग सत्रों का आयोजन समुद्र तटों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर किया जा रहा है ।

इस अभियान के तहत आंध्र प्रदेश सरकार ने जिला-स्तरीय प्रशिक्षण, मंडल-स्तरीय आउटरीच और गांव-स्तरीय कार्यक्रमों की योजना बनाई है। लगभग 100 पर्यटक स्थलों पर थीम-आधारित योग जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना और उन्हें अपने जीवन में योग को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

राष्ट्रपति ने प्रशासनिक अधिकारियों को विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी (आईएएस) विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपने काम में प्रौद्योगिकी और नवाचार का उपयोग करना चाहिए ताकि वे अधिक कुशल और पारदर्शी प्रशासन प्रदान कर सकें। राष्ट्रपति मुर्मु ने मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में 127वें प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें अपने काम में निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपने अधिकारों का उपयोग

सहानुभूति, निडरता और निष्पक्षता के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में आईएएस अधिकारियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपने काम में गरीब और वंचित वर्गों के कल्याण पर ध्यान देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे देश के विकास में पीछे न रह जाएं। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रौद्योगिकी और नवाचार प्रशासन में बहुत बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल टूल्स का उपयोग करके प्रशासन को अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को एआई, ई-गवर्नेंस और डिजिटल फीडबैक मैकेनिज्म में नवाचारों को अपनाने की सलाह दी।

पर्यावरण दिवस पर अरावली ग्रीन वॉल अभियान की शुरुआत करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। चार राज्यों में फैले अरावली जैव विविधता के संरक्षण के लिए केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय अरावली ग्रीनवॉल अभियान की शुरुआत करने जा रहा है। 5 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस अभियान की शुरुआत करेंगे। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत महावीर जयंती पार्क में पौधारोपण के साथ इस अभियान को विस्तार भी देंगे। अरावली ग्रीन वॉल अभियान के तहत मृदा नमी संरक्षण, जैव विविधता, पर्यावरण परिवर्तन, वेटलैंड संरक्षण, प्रोटेक्टेड एरिया आदि पर कार्य किया जाएगा। इसमें वन एवं गैरवान क्षेत्र को चिन्हित कर उसी अनुरूप कार्य योजना तैयार की गई है। इस योजना के तहत जनभागीदारी के साथ क्षमता निर्माण, स्थानीय प्रजातियों के पौधा रोपण, चारागाह और जलाश्यों के संरक्षण पर जोर दिया जाएगा। केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि अरावली एक पर्वत श्रृंखला ही नहीं बल्कि हमारी संस्कृति एवं शौर्यपूर्ण इतिहास का प्रवाह है जो हमारे लिए सदियों से प्रेरणा का स्रोत रही है। आगामी पीढ़ियां के लिए इसके भू दृश्य के पुनरुद्धार एवं जैव विविधता को संरक्षित करने के मकसद से यह अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान से चार राज्य जुड़ेंगे जिसमें राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात शामिल हैं।

आईपीयू ने ओपन-आई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के आईपीयू-इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन ने मुंबई स्थित ओपन-आई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। विश्वविद्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि इस समझौते का उद्देश्य प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, निवेशक नेटवर्क और कॉर्पोरेट साझेदारी के माध्यम से विकास के एक ढांचे की स्थापना करना है, ताकि स्टार्टअप इनक्यूबेटर की दक्षता और पहुंच को बढ़ाया जा सके।ओपन-आई एक अग्रणी खुला नवाचार और स्टार्टअप निवेश प्लेटफ़ॉर्म है जो उच्च-प्रभाव वाले स्टार्टअप और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़कर डिजिटल परिवर्तन को गति देने में मदद करता है। इसका सास प्लेटफ़ॉर्म सभी हितधारकों को सहयोग, सह-निर्माण और प्रभाव को बढ़ावा देने के लिए जोड़ता है।

इस समझौते के मुख्य बिंदुः

- प्रौद्योगिकी हस्तांतरणः ओपन-आई के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से, आईपीयू-इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में सुधार कर सकेगा।
- निवेशक नेटवर्कः समझौता

ज्ञापन के तहत, आईपीयू-इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन निवेशक नेटवर्क तक पहुंच प्राप्त कर सकेगा।

- कॉर्पोरेट साझेदारीः समझौता ज्ञापन के माध्यम से, आईपीयू-इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन कॉर्पोरेट साझेदारी में सुधार कर सकेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षताः

इस समारोह की अध्यक्षता गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने की। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. कमल पाठक, निदेशक अनुसंधान और नवाचार प्रो. सुधीर कुमार, निदेशक पूर्वी दिल्ली परिसर प्रो. ए के सैनी भी उपस्थित थे। ओपन-आई का प्रतिनिधित्व संस्थापक और सीईओ राजीव बाउंडानी ने किया। इस कार्यक्रम का आयोजन आईपीयू-आईआईएफ टीम द्वारा किया गया, जिसमें निदेशक आईपीयू-आईआईएफ प्रो. अजय सिंघोली शामिल थे।

ईंट भट्टों में धान की पराली से बने गोलों का प्रयोग करे हरियाणा और पंजाब सरकारः सीएक्यूएम

एजेंसी

नई दिल्ली । वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता खराब करने वाली धान की पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। आयोग ने हरियाणा और पंजाब की राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि वे एनसीआर से बाहर के जिलों में स्थित सभी ईंट भट्टों में धान की पराली से बने गोलों, ईंटों (ब्रिकेट्स) का उपयोग अनिवार्य करें। इसके साथ ही एक नवंबर 2028 तक धान की पराली से बने ईंटों का जलावन के रूप में 50 प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। आयोग ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि आयोग का लक्ष्य फसल अवशेषों को खुले में जलाने की प्रथा को पूरी तरह से रोक देना और औद्योगिक क्षेत्र में स्वच्छ और टिकाऊ ईंधन विकल्पों को बढ़ावा देना है। धान की पराली से बने गोलों, ईंटों का जलावन के रूप में 50 प्रतिशत तक उपयोग बढ़ाने के उद्देश्य से, वैधानिक निर्देश हरियाणा और पंजाब राज्य सरकारों को जारी किया गया है। इसके अलावा, इन निर्देशों के अनुपालन की दिशा में की गई कार्रवाई से हर महीने आयोग को अवगत कराना भी जरूरी है।

राहुल गांधी के अचानक कैंपस दौरे पर डीयू वीसी ने कहा, प्रक्रिया को दरकिनार करना गलत

एजेंसी

नई दिल्ली, । दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के अनिर्धारित परिसर दौरे को 'प्रोटोकॉल का उल्लंघन' बताया और साथ ही इस तरह की 'प्रथाओं' को आगे न बढ़ाने की सलाह दी। क्योंकि, इससे गलत मिसाल कायम होगी। डीयू कुलपति ने को दिए साक्षात्कार में कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और प्रमुख राजनीतिक दल के शीर्ष नेता भी हैं। बेहतर होता कि वह विश्वविद्यालय के दौरे की योजना बनाते और प्रशासन को पहले से सूचित करते। उन्होंने कहा, 'इससे हमें उनके स्वागत की तैयारियों के लिए समय मिल जाता।'

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पिछले महीने डीयूएसयू कार्यालय का दौरा किया था, जिससे हंगामा मच गया था क्योंकि विश्वविद्यालय ने दावा किया था कि उनके अघोषित दौरे से परिसर में अराजकता और अशांति पैदा हुई और कुछ एनएसयूआई सदस्यों ने छात्रों के साथ दुर्व्यवहार भी किया। डीयू के कुलपति ने राहुल गांधी के

अचानक परिसर के दौरे पर आपत्ति जताई और कहा, 'दिल्ली विश्वविद्यालय में कई उच्च-प्रोफ़ाइल गणमान्य व्यक्ति आते हैं। एक मानक प्रोटोकॉल है जिसका सभी पालन करते हैं।

सभी को प्रक्रिया का पालन करना चाहिए, अन्यथा यह गलत संदेश देता है।' उन्होंने कहा कि राहुल पहले भी प्रशासन को सूचित किए बिना परिसर का दौरा कर चुके हैं और उन्होंने कांग्रेस नेता को प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी है, ताकि छात्रों की सुविधा से समझौता न हो। प्रोफेसर योगेश सिंह ने लक्ष्मीबाई कॉलेज के प्रिंसिपल कार्यालय में डूसू अध्यक्ष रौनक खत्री के गलत आचरण की भी निंदा की और कहा कि किसी भी छात्र प्रतिनिधि को इस तरह के व्यवहार से बचना चाहिए। उन्होंने कहा, 'रौनक खत्री डूसू अध्यक्ष हैं। यह उनके पद के लिए अनुचित है कि वे कॉलेज प्रिंसिपल से भिड़ें। यह निंदनीय और निंदनीय है।' एक महीने पहले, डूसू अध्यक्ष ने लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्रिंसिपल के साथ एक विवाद किया था, जब वे उनके कार्यालय में गए और उनके कार्यालय की दीवारों पर गोबर पोत दिया। घटना का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद काफी आलोचना हुई थी, लेकिन खत्री ने जोर देकर कहा कि यह प्रिंसिपल द्वारा कॉलेज की कक्षाओं को गर्मी से बचाने के लिए गोबर से पोतने के कदम के विरोध में था।

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में लाया जाएगा महाभियोग प्रस्ताव

एजेंसी

नई दिल्ली। आगामी मानसून संसद सत्र में केंद्र सरकार दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और वर्तमान में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगी। भारत सरकार के सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू इस मामले को लेकर सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से चर्चा करेंगे। यह कदम मार्च में दिल्ली स्थित जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर आग लगने की घटना के बाद उठाया गया है, जब बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की गई थी। घटना मार्च की है, जब दिल्ली स्थित जस्टिस वर्मा के आवास के बाहरी हिस्से में आग लग गई थी। नोट की गड्डियों के बारे में खुलासा आग बुझाने के लिए पहुंचे अग्निशमन दल ने किया था। इसका एक वीडियो भी खूब वायरल हुआ था। इसके बाद न्यायमूर्ति वर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। उन्होंने आरोपों से इनकार किया और उसे साजिश बताया था। इस मामले में भारत के मुख्य न्यायाधीश ने 22 मार्च को एक आंतरिक जांच शुरू की और न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए हाई कोर्ट के तीन न्यायाधीशों का पैनल भी बनाया। इस समिति में हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस जीएस संधवालिया, पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू और कर्नाटक हाई कोर्ट की जज अनु शिवरामन को शामिल किया गया। सुप्रीम कोर्ट की ओर से पूर्व में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश ने दिल्ली उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच करने के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है, जिसमें पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जीएस संधवालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायाधीश अनु शिवरामन शामिल हैं। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को फिलहाल न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपने के लिए कहा गया है।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति करना होगा जागरूक

हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता हैं। यह एक वैश्विक संदेश देता है कि अब वह समय आ गया है जब मनुष्य और प्रकृति के बीच खोए हुए सन्तुलन को फिर से स्थापित किया जाना चाहिए। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का थीम है विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरूआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम भारत की संसद द्वारा 1986 में पारित किया गया था। इसे संविधान के अनुच्छेद 253 के तहत पारित किया गया था। यह 19 नवंबर 1986 को लागू हुआ था।

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रुप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी।

हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। पूरी दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही हैं। दुनियाभर में हर दिन ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ रहा है जिससे पर्यावरण खतरे में हैं। इंसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ इंसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है। जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं। जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं। साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

स्वस्थ पर्यावरण हमारे जीवन में काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि बिना इसके स्वस्थ रहने की कल्पना करना मुश्किल है। हमें अपने मन में संकल्प लेना होगा कि हमें प्रकृति से सदभाव के साथ जुड़ कर रहना है। इस पर्यावरण दिवस पर हम सब इस बारे में सोचें कि हम अपनी धरती को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए और क्या कर सकते हैं। किस तरह इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। पर्यावरण दिवस पर अब सिर्फ पौधारोपण करने से कुछ नहीं होगा। जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हम उस पौधे के पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करेंगें।

पर्यावरण शब्द संस्कृत भाषा के 'परि' उपसर्ग (चारों ओर) और 'आवरण' से मिलकर बना है जिसका अर्थ है ऐसी चीजों का समुच्चय जो किसी व्यक्ति या जीवधारी को चारों ओर से आवृत्त किये हुए हैं। यह शब्द फ्रांसीसी शब्द एनवायरनर से लिया गया है जिसका अर्थ है घेरना, घेरना या घेरना। पर्यावरण को उस परिवेश या परिस्थितियों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें पौधे, जानवर और मनुष्य जैसे जीवित जीव रहते हैं। पर्यावरण की एक सरल परिभाषा में कहा जा सकता है कि मानव जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों को शामिल करने वाली एक प्रणाली है। जैविक या जीवित घटकों में सभी वनस्पति और जीव शामिल हैं और अजैविक घटकों में पानी, सूरज की रोशनी, हवा, जलवायु आदि शामिल हैं।

देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़ पौधे काट दिये गये व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। लेकिन लाकडाउन ने लोगों को उनके पुराने दिनों की याद दिला दी है। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये पड़ो को देवताओं के समान दर्जा दिया जाता था। ताकि उन्हे कटने से बचाया जा सके। बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ो को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़ व पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं।

मनुष्य प्रकृति द्वारा बनाया गया सबसे बुद्धिमान प्राणी माना जाता है। उसने एक ओर जहां विज्ञान से प्रौद्योगिक का विकास किया वहीं दूसरी ओर अंधाधुंध शहरीकरण तथा औद्योगिकीकरण भी किया। इसी का नतीजा है कि उद्योगों से निकलने वाला धुआँ, दूषित पदार्थ आदि प्रदूषण को जन्म दें रहे हैं। इस कारण जलप्रदूषण, वायुप्रदूषण हुआ है। आवास एवं शहरीकरण हेतु वनों की अत्यधिक कटाई के कारण मिटटी प्रदूषण एवं भूमि कटाव जैसी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। वर्तमान समय में प्रदूषण किसी एक गांव, कस्बे या शहर की समस्या नहीं है अपितु यह संपूर्ण विश्व की बहुत विकराल समस्या बन गई है।

पांच वर्ष पूर्व लाकडाउन का वह समय पर्यावरण की दृष्टि से अब तक का सबसे उत्तम समय रहा था। उस दौरान शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायु प्रदूषण का स्तर घटकर न्यूनतम स्तर पर आ गया है। देश की सभी नदियों का जल पीने योग्य हो गया था। जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। पूरी दुनिया में पिछले वर्ष जैसा पर्यावरण दिवस शायद ही फिर कभी मने। सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। लाकडाउन के दौरान बिना कुछ खर्च किए ही नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएं व्यक्त की जाती थी। उन नदियों का पानी शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी।

लिवर सिरोसिस क्या होता है, ये कितना खतरनाक, इससे कैसे बचें?

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खानपान और जीवनशैली में लापरवाही कई बीमारियों की वजह बन रही है. खासकर लोग लिवर की समस्या से ज्यादा परेशान दिख रहे हैं. लिवर से जुड़ी परेशानी के कारण अस्पतालों में काफी भीड़ दिखती है. लिवर से जुड़ी एक समस्या है, लिवर सिरोसिस की. यह बीमारी धीरे-धीरे लिवर को नुकसान पहुंचाती है और समय पर इलाज न मिलने पर जानलेवा भी हो सकती है, लेकिन अच्छी बात ये है कि कुछ सावधानियों से इसे रोका भी जा सकता है. आइए डॉक्टर से जानते हैं लिवर सिरोसिस क्या होता है, इसके लक्षण क्या हैं और कैसे इससे बचा जा सकता है.

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक,लिवर सिरोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर के टिशू (कोशिकाएं) धीरे-धीरे खराब हो जाते हैं और उनके स्थान पर कठोर ऊतक (फाइब्रोसिस) बन जाता है. इससे लिवर सही तरीके से काम नहीं कर पाता. लिवर हमारे शरीर में कई अहम काम करता है. जैसे कि खून को साफ करना, पाचन में मदद करना और शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालना. जब लिवर में फाइब्रोसिस बढ़ जाता है, तो वह ये काम नहीं कर पाता और शरीर की सेहत पर असर पड़ता है.

लिवर सिरोसिस के मुख्य कारण क्या होते हैं?

अत्यधिक शराब का सेवन लंबे समय तक शराब पीने से लिवर को सबसे ज्यादा नुकसान होता है.

हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण ये वायरल इंफेक्शन लिवर को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाते हैं.

मोटापा और फैटी लिवर- ज्यादा तैलीय और जंक फूड खाने से लिवर में फैट जमा हो जाता है, जो सिरोसिस का कारण बन सकता है।

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

- ललित गर्ग

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेजबानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है। 1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है।

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं। माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को

स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

शोधकताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए?

अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक के संकट का दूर करने की कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग केवल भारत में करते हैं। इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त दुनिया के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं।

गाजा और पश्चिमी तट पर कब्जा करने के लिए इजरायल पूरी तरह

- नन्तू बनर्जी

युद्ध के अंत, जो अंतिम चरण में पहुंच गया है, तक मृत्यु और विस्थापन के कारण फिलिस्तीनी आबादी में काफी कमी आने की उम्मीद है। गाजा की लगभग 70 प्रतिशत फिलिस्तीनी आबादी शरणार्थी हैं, जो अपनी दैनिक आजीविका के लिए ज्यादातर मानवीय सहायता पर निर्भर हैं। भूमि, वायु और समुद्र के माध्यम से परिवहन की आवाजाही पर सुरक्षा से जुड़ी इजरायली नाकाबंदी ने गाजा की अच्छी-खासी आबादी को क्षेत्र से भागने या भूख से मरने के लिए मजबूर किया है। एक तरह से, गाजा की शरणार्थी आबादी लंबे समय से संकीर्ण पट्टी में शो चलाने वाले हमास आतंकवादियों द्वारा बंदी बना ली गयी है।

गाजा के हमास उग्रवादियों को एक बड़ी आपदा का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इजरायल लगभग 20 वर्षों के अंतराल के बाद गाजा पट्टी पर पूर्ण नियंत्रण करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके साथ ही, इजरायल फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम और स्वीडन और यहां तक कि तेल अवीव में अपने ही लोगों के एक वर्ग के विरोध को नजरअंदाज करते हुए पश्चिमी तट के एक बड़े हिस्से (क्षेत्र सी) पर कब्जा करने के लिए कमर कसता हुआ दिखायी दे रहा है।

पिछले सप्ताह, इजरायल ने कहा कि वह कब्जे वाले पश्चिमी तट पर 22 अतिरिक्त यहूदी बस्तियाँ स्थापित करेगा। ईरान और ईरान समर्थक हौथियों को छोड़कर अरब दुनिया में हमास के कुछ ही सच्चे समर्थक हैं। 7 अक्तूबर 2023 से इजरायल-हमास युद्ध के दौरान हुई मौतों और विस्थापन के कारण फिलिस्तीनी आबादी में भारी कमी के साथ गाजा जल्द ही इजरायल के विस्तारित क्षेत्र का हिस्सा बन सकता है।

वर्तमान गाजा युद्ध अतीत में कई अनसुलझे इजरायली-फिलिस्तीनी संघर्षों के बाद हुआ है, जिनमें 2008, 2009, 2012, 2014 और 2021 के संघर्ष शामिल हैं। विडंबना यह है कि इजरायल ने 2005 में दुनिया की सबसे घनी आबादी वाली बस्तियों में से एक गाजा पट्टी का नियंत्रण छोड़ दिया था। वह गाजा पट्टी से हट गया था और उसने वहां से अपनी सभी बस्तियों को खत्म कर दिया था। इजरायल फिलाडेल्फी मार्ग से भी वापस हो गया था, जो मिस्र के साथ सीमा से सटे भूमि की एक संकरी पट्टी थी, जब मिस्र ने राफा समझौते के तहत अपने क्षेत्र की सीमा को सुरक्षित रखने पर रजामंदी व्यक्त की थी। इजरायल चाहता तो 1967 में छह दिवसीय युद्ध के बाद गाजा को अपने नियंत्रण में ले सकता था। उसने पश्चिमी बैंक और पूर्वी येरूशलम पर भी कब्जा कर लिया था। उस समय गाजा पट्टी 40 किलोमीटर लंबी थी और उसकी आबादी 13लाख थी। गाजा में जन्म दर दुनिया में सबसे अधिक है। हालांकि, वहां बिना किसी तनाव के शासन करने के लिए उचित यहूदी बस्ती के लिए बहुत कम जगह थी। युद्ध के अंत, जो अंतिम चरण में पहुंच गया है, तक मृत्यु और विस्थापन के कारण फिलिस्तीनी आबादी में काफी कमी आने की उम्मीद है। गाजा की लगभग 70 प्रतिशत फिलिस्तीनी आबादी शरणार्थी हैं, जो अपनी दैनिक आजीविका के लिए ज्यादातर मानवीय सहायता पर निर्भर हैं। भूमि, वायु और समुद्र के माध्यम से परिवहन की आवाजाही पर सुरक्षा से जुड़ी इजरायली नाकाबंदी ने गाजा की अच्छी-खासी आबादी को क्षेत्र से भागने या भूख से मरने के लिए मजबूर किया है। एक तरह से, गाजा की शरणार्थी आबादी लंबे समय से संकीर्ण पट्टी में शो चलाने वाले हमास आतंकवादियों द्वारा बंदी बना ली गयी है।

एक बार फिर से उस क्षेत्र को हासिल करने के बाद, इजरायल वहां यहूदी आबादी की पर्याप्त उपस्थिति सुनिश्चित करेगा ताकि इसका सुचारू प्रबंधन सुनिश्चित हो सके और पट्टी को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाया जा सके। एक बार जब गाजा पट्टी पर विजय प्राप्त कर ली जायेगी है और पश्चिमी तट का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह से इजरायल के नियंत्रण में आ जायेगा है, तो उम्मीद है कि देश दुनिया की शीर्ष आर्थिक और सैन्य शक्ति के रूप में उभरने के अपने लंबे समय से संजोये गये सपने को साकार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

वर्तमान में, इजरायल पश्चिम एशिया का सबसे विकसित और उन्नत देश है, जिसके पास दुनिया में 17वां सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है। अरब प्रायद्वीप के साथ-साथ तुर्की, मिस्र और ईरान सहित 18 सदस्यीय पश्चिम एशियाई क्षेत्र में प्रति वयस्क औसत संपत्ति सबसे अधिक है। प्रति व्यक्ति वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में इजरायल दुनिया भर में 10वें स्थान पर है। उल्लेखनीय रूप से, आठ अरब देश अब खुले तौर पर और बेशर्मी से इजरायल के साथ व्यवहार करते हैं। वे हैं: सऊदी अरब, यूएई, मिस्र, जॉर्डन, ओमान, मोरक्को, बहरीन और सूडान।

यह मानते हुए कि गाजा और लेबनान में इजरायल की लड़ाई जल्द ही कम हो जायेगी, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की नवीनतम आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट ने पूवार्नुमान लगाया है कि देश की अर्थव्यवस्था 2025 में 3.4 प्रतिशत और 2026 में 5.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जो कि ओईसीडी के वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए 2025 में 3.1प्रतिशत और 2026 में तीन प्रतिशत के औसत विकास पूवार्नुमान से अधिक है। चालू वर्ष के लिए ओईसीडी का विकास पूवार्नुमान बैंक ऑफ इजरायल के चार प्रतिशत और इजरायल वित्त मंत्रालय के 4.4 प्रतिशत के अनुमान से कम है। हालांकि, ओईसीडी को उम्मीद है कि इस साल इजरायल की अर्थव्यवस्था में सुधार आयेगा, हालांकि यह विकास की गति के बारे में निराशावादी है, क्योंकि युद्ध से संबंधित खर्च के जोखिम का हवाला देतेहुए इसने कहा कि देश के वित्त पर इसका असर पड़ रहा है।

2023 यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट ने इजरायल को दुनिया के 10 सबसे शक्तिशाली देशों में स्थान दिया। इसने पाया कि इजरायल की सेना दुनिया भर में चौथी सबसे मजबूत है, जो केवल अमेरिका, चीन और रूस से पीछे है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल दुनिया की छठी सबसे अधिक राजनीतिक रूप से प्रभावशाली शक्ति भी है।

दालमोठ बनाम बिस्कुट, मामला गंभीर है

- सर्वमित्रा सुरजन

अगर खबर सच्ची है तब तो मामला संगीन है कि क्या जज को जानबूझकर पुरानी दालमोठ पेश करने का कोई षड्यंत्र रचा गया और अगर खबर काल्पनिक है, तब भी गंभीर चिंता का विषय है कि क्या दालमोठ और बिस्कुट को चर्चा में लाने की यह कोई चाल है। क्योंकि आमतौर पर तो सरकारी बैठकों में चाय के साथ समोसे, ढोकले, कलाकंद आदि परोसे जाते हैं। लेकिन सिविल जज और सत्र न्यायाधीश जब साथ बैठे हों और बात केवल बिस्किट और दालमोठ में निपट जाए, क्या यह नाइंसाफी नहीं है।

सोशल मीडिया पर खबर आई है कि उत्तर प्रदेश के गोण्डा में अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश ने अपने अर्दली को चाय और बिस्कुट ठीक से न मिलने पर नोटिस थमा दिया। नोटिस में अर्दली राकेश कुमार से स्पष्टीकरण मांगा गया है कि सिविल जज के आने पर चाय/बिस्कुट लाने के लिए कहने पर ऐसी दालमोठ क्यों लाई गई, जिससे गंध आ रही थी। इस खबर में कितनी सच्चाई है यह तो पता नहीं लेकिन सोशल मीडिया पर जो नोटिस वायरल हो रहा है, उसमें जज की तरफ से लिखा गया है- 'आज दिनांक 30 मई को लंच समय में मेरे विश्राम कक्ष में सिविल जज (जू.डि.) / एफटीसी नवीन, गोंडा सुश्री शर्मिष्ठा साहू मिलने आई थीं जिस पर मेरे द्वारा आपको चाय/बिस्कुट लाने हेतु कहा गया, जबकि आपके द्वारा केवल दो चाय लाई गई। मेरे द्वारा पुनः बिस्कुट लाने के लिए कहा गया, किंतु आपके द्वारा बिस्कुट न लाकर पुरानी खराब स्थिति में जिसमें से गंदी गंध आ रही थी, दालमोठ रखी गई। आलमारी में दो डिब्बे में अच्छी स्थिति में बिस्कुट रखे हुए थे। बावजूद आपके द्वारा जानबूझकर खराब पुरानी दालमोठ रखी गई, जो कि फेंकने की स्थिति में थी। इस सम्बन्ध में आप अपना स्पष्टीकरण दिनांक 31 मई को समय 10.30 बजे प्रस्तुत करें कि इस प्रकार की जानबूझकर घोर त्रुटि आपके द्वारा क्यों की गई।'

अगर खबर सच्ची है तब तो मामला संगीन है कि क्या जज को जानबूझकर पुरानी दालमोठ पेश करने का कोई षड्यंत्र रचा गया और अगर खबर काल्पनिक है, तब भी गंभीर चिंता का विषय है कि क्या दालमोठ और बिस्कुट को चर्चा में लाने की यह कोई चाल है। क्योंकि आमतौर पर तो सरकारी बैठकों में चाय के साथ समोसे, ढोकले, कलाकंद आदि परोसे जाते हैं। लेकिन सिविल जज और सत्र न्यायाधीश जब साथ बैठे हों और बात केवल बिस्किट और दालमोठ में निपट जाए, क्या यह नाइंसाफी नहीं है।

राहुल गांधी को देखना चाहिए कि नेहरूजी ने कैसा भारत बनाकर छोड़ा है, जहां किसी को रोजाना मखाने खाने मिलते हैं और किसी को पुरानी दालमोठ परोसी जाती है।

नेहरूजी के बाद शास्त्रीजी, इंदिराजी, राजीवजी सबने शासन कर लिया, किसी का ध्यान इस विसंगति पर नहीं गया। सब पता नहीं क्या-क्या करते रहे। कोई जय जवान, जय किसान कहता रहा, किसी ने पाकिस्तान के दो हिस्से कर दिए, कोई पंचायतों को मजबूत करने में लगा रहा और साथ में देश में कम्प्यूटर लेकर भी आ गया। ये सब करने से क्या भारत का भला हो गया।

आईआईटी, आईआईएम, एम्स न भी बनते तब भी भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए रोजाना शाखाएं कार्यरत थी हीं, वहीं से निकले लोग आज राडार से बचने के नुस्खे हमारे लड़ाकू विमानों को देते हैं। और राहुल गांधी की हिमाकत देखिए, उन्हीं से सवाल करते हैं कि हमारे कितने विमान पाकिस्तान ने गिराए हैं। राहुल गांधी भारतीय परंपरा में पढ़े-लिखे होते तो जानते कि बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुधि ले।

केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकराया

एजेंसी

वेलिंगटन। पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकरा दिया है और संभावना है कि वे अगले महीने जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेलेंगे। विलियमसन ने पिछले साल भी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट स्वीकार नहीं किया था ताकि वे दुनिया भर में टी20 और अन्य लीग में खेलने के लिए स्वतंत्र रहें। इसके बजाय उन्होंने पिछले साल एक कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट किया था और 2024 में न्यूजीलैंड के 13 टेस्ट में से नौ में खेलते हुए 1,000 से ज्यादा रन बनाए। न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से जारी 20 खिलाड़ियों की कॉन्ट्रैक्ट सूची में विलियमसन का नाम नहीं था। इसके साथ ही डेवोन कॉनवे, फिन एलन, टिम सिफर्ट और लॉकि फर्ग्यूसन भी शामिल नहीं थे क्योंकि ये खिलाड़ी भी विदेशी टी20 लीग में हिस्सा ले रहे हैं। विलियमसन के फिर से कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर करने की संभावना है। टिम साउथी के रिटायर होने के बाद आलराउंडर मोहम्मद अब्बास और जैक फोल्क्स, विकेटकीपर मिच हे और स्पिनर आदि अशोक को पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट मिला है। इसके अलावा ईश सोढी, एजाज पटेल और जोश क्लार्कसन भी टीम में शामिल हैं।

पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने पर महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर सम्मानित

मुरादाबाद। मुरादाबाद पुलिस लाइन में तैनात महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 410 किलोग्राम भार उठाकर अव्वल आने पर आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों के साथ सम्मानित किया। पुष्पा चाहर ने बदायूं में आयोजित बदायूं में आयोजित पावर लिफ्टिंग में 410 किलोग्राम भार उठाकर प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीता। इसके अलावा उन्होंने मेरठ में भी पावर लिफ्टिंग में गोल्ड जीता है। पुष्पा चाहर ने स्ट्रांग वूमन का खिलाफ भी जीता। सोमवार को एसएसपी सतपाल अंतिल ने उन्हें अपने दफ्तर में सम्मानित किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह, सदर कोतवाली की क्षेत्राधिकारी सुनीता दहिया भी मौजूद रहीं।

इंडोनेशिया ओपनः मालविका बंसोड़ पहले दौर के मैच के दौरान हुई रिटायर

नई दिल्ली। भारतीय शटलर मालविका बंसोड़ को इंडोनेशिया ओपन 2025 के राउंड ऑफ 32 में स्थानीय खिलाड़ी पूतरी कुसुमा वर्दानी के खिलाफ मैच के बीच में चोट लगने के कारण रिटायर होना पड़ा। बंसोड़ 21-16, 16-15 की बढ़त बनाए हुए थीं, तभी उनके घुटने में चोट लगने के कारण उन्होंने 54 मिनट के खेल के बाद मैच छोड़ दिया। भारतीय लेफ्ट हैंडर कोर्ट के पीछे से शॉट वापस करने की कोशिश कर रही थीं, तभी उनका बायां पैर फिसला और वह गिर पड़ीं। उन्हें दर्द में बायें घुटने को पकड़ते देखा गया। उन्होंने मेडिकल सहायता ली और वापसी की कोशिश की, लेकिन कोर्ट में हिलने-डुलने पर काफी दर्द महसूस होने के कारण खेल जारी नहीं रख पाई। 23 वर्षीया मालविका इस सीजन थाईलैंड ओपन, मलेशिया ओपन और ऑल इंग्लैंड ओपन में तीन बार राउंड ऑफ 16 तक पहुंच चुकी हैं, लेकिन अभी तक इस साल किसी भी टूर्नामेंट में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय नहीं कर पाई हैं।

इंडोनेशिया ओपन में सिंधु ने रोमांचक मुकाबले में दर्ज की जीत, लक्ष्य सेन बाहर

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने इंडोनेशिया ओपन के पहले दौर (राउंड ऑफ 32) में जापान की नोजोमी ओकुहारा को हराते हुए तीन गेमों के रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की और लक्ष्य सेन को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने यह मुकाबला 22-20, 21-23, 21-15 से अपने नाम किया, जो कुल 1 घंटा 19 मिनट तक चला। पहला गेम जीतने के बाद लग रहा था कि सिंधु मुकाबला सीधे गेमों में निपटा लेंगी, लेकिन ओकुहारा ने जोरदार वापसी करते हुए मैच को तीसरे गेम तक खींच लिया। तीसरे गेम में सिंधु ने लगातार बढ़त बनाए रखी और ओकुहारा को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

17 साल का सूखा खत्म, आरसीबी बनी आईपीएल चैंपियन, फाइनल में पंजाब को 6 रन से हराया

एजेंसी

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को 6 रनों से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की ट्रॉफी जीत ली है। इस जीत के साथ आरसीबी ने 17 साल के सूखे को समाप्त किया है। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने पहले बैटिंग करते हुए 190 रन बनाए, जिसके जवाब में पंजाब की टीम 184 रन ही बना सकी। 191 रनों के लक्ष्य की पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स को दो अनकैप्ड ओपनर प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने तेज शुरुआत दिलाई। लेकिन प्रियांश 24 रन बनाकर आउट हो गए। फिर जोश इंग्लिश ने प्रभसिमरन के साथ पारी को आगे बढ़ाया। एक समय पंजाब का स्कोर एक विकेट के नुकसान पर 72 रन था। उसके बाद 26 रन और बनते-बनते तीन विकेट गिर गए। कप्तान श्रेयस अय्यर सिर्फ एक रन बना सके। जबकि नेहल वढ़ेरा ने 15 और मार्कस स्टायनिश ने 6 रन का योगदान दिया। हालांकि दूसरे छोर पर शशांक सिंह मोर्चा संभाले रहे और टीम को लक्ष्य की ओर बढ़ाते रहे। आखिरी ओवर में टीम को जीत के लिए 29 रन की जरूरत थी और शशांक तमाम कोशिशों के बाद भी मात्र 22 रन ही बना सके। इस तरह पंजाब लक्ष्य से 6 रन पीछे रह गई। आरसीबी की ओर से क्रुणाल पांड्या ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में मात्र 17 रन खर्च कर दो अहम विकेट चटकाए। वहीं, भुवनेश्वर कुमार ने भी दो विकेट अपने नाम किए। जबकि यश दयाल, जोश हैजलवुड और रोमारियो शेपर्ड को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु की शुरुआत तेज रही लेकिन फिल सॉल्ट जल्दी आउट हो गए। सॉल्ट ने 9 गेंदो में 16 रन बनाए। फिर विराट कोहली ने मयंक अग्रवाल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 38 रन जोड़े। मयंक ने 24 रन बनाए। इसी प्रकार छोटी-छोटी साझेदारी बनती रही और टीम आगे बढ़ती गई। कप्तान रजत पाटीदार ने 26, कोहली ने 43, लियाम लिविंगस्टन ने 25. रोमारियो शेपर्ड ने 17 और जितेश शर्मा ने 24 रन का योगदान किया।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड चैंपियनशिपः एशियन किंग्स ने ट्रांस टाइटंस को 7 विकेट से हराकर दर्ज की पहली जीत

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड चैंपियनशिप अब अपने निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है। खेले गए मुकाबले में एशियन किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रांस टाइटंस को 7 विकेट से मात दी और लीग में अपनी पहली जीत दर्ज की।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रांस टाइटंस की टीम ने 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए। जेसी राइडर ने आक्रामक अंदाज में 81 रन (45 गेंद, 12 चौके, 3 छक्के) की बेहतरीन पारी खेली। हालांकि उनके साथी बल्लेबाज हिमांग सिर्फ 15 रन बना सके। मध्यक्रम में आसिफ मंसूरी (31) और प्रशांत गुज्जर (41 रन, 22 गेंद) ने तेज़ी से रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एशियन किंग्स की शुरुआत संयमित रही। इम्तियाज अहमद (25) और तिलकरत्ने दिलशान (26) ने पहले विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। इसके बाद क्रीज पर आए अंकित नरवाल ने मोर्चा संभालते हुए शानदार नाबाद 69 रन (45 गेंद, 6 चौके, 4 छक्के) बनाए और टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। उनका साथ निभाया परवेज़ अज़ीज़ ने, जिन्होंने 20 गेंदों में 36 रन बनाकर नाबाद रहे।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रांस टाइटंस की टीम ने 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए।

आईपीएल 2025 में हार के बावजूद पंजाब किंग्स के प्रदर्शन से संतुष्ट कोच रिकी पोंटिंग

एजेंसी

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से 6 रन से हारने के बावजूद पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने टीम के समग्र प्रदर्शन की सराहना की। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिकी पोंटिंग ने कहा कि जिस अंदाज में हमने इस पूरे सीजन में क्रिकेट खेला है, वह काफी मनोरंजक रहा है। एक कोच के तौर पर जब आप अपनी टीम के बारे में ऐसा कह सकते हैं, तो ये गर्व की बात है। हो सकता है कि आज हमारी युवा मिडिल ऑर्डर की थोड़ी अनुभवहीनता हार का कारण बनी हो, लेकिन मैं जानता हूं कि प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह और नेहाल वढेरा जैसे खिलाड़ी भविष्य में हमें कई मैच जिताएंगे। पोंटिंग ने हार का ठीकरा पिच या हालात पर नहीं फोड़ा। उन्होंने कहा कि हम कोई बहाना नहीं बना रहे हैं। शशांक सिंह ने खुद कहा कि यह पिच पूरे सीजन की सबसे बेहतरीन पिच थी। बस हमने पावरप्ले के आखिरी ओवरों में थोड़ी रफ्तार खो दी और कुछ अहम विकेट गंवा दिए। 11 साल बाद फाइनल खेली पंजाब की टीम, अगला सीजन होगा और बेहतरपंजाब किंग्स ने 11 साल के लंबे इंतजार के बाद आईपीएल फाइनल में जगह बनाई थी। इस उपलब्धि को लेकर पोंटिंग ने कहा, कुछ दिन पहले ही हम इस मैदान पर अपनी एक शानदार जीत का जश्न मना रहे थे, जिसने हमें फाइनल में पहुंचाया। आज हम थोड़ा मायूस हैं। लेकिन ये टीम काफी युवा है और हम अगले सीजन में और भी मजबूत होकर लौटेंगे। टीम में लाया गया है नया ल्चरपोंटिंग ने टीम की मानसिकता और कार्यशैली में बदलाव लाने को भी अपनी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, जब मुझे कोच नियुक्त किया गया था, तभी मैंने साफ कर दिया था कि मैं टीम का माहौल बदलना चाहता हूं। चीजों को एक नई दिशा में ले जाना चाहता हूं और मुझे लगता है कि हम उसमें सफल रहे हैं।

आईपीएल 2025 जीत के बाद आरसीबी कप्तान रजत पाटीदार ने कहा-विराट कोहली और फैंस इस ट्रॉफी के सबसे बड़े हकदार

एजेंसी

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के फाइनल में पंजाब किंग्स पर 6 रन की रोमांचक जीत दर्ज कर रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु (आरसीबी) ने 18 साल में पहली बार खिताब अपने नाम किया। मैच के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने जीत के जश्न के बीच दिल खोलकर अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने इसे विराट कोहली और आरसीबी फैंस के लिए खास पल बताया।

मैच के बाद रजत पाटीदार ने कहा, मेरे लिए ये बेहद खास है और विराट कोहली के लिए तो और भी ज्यादा। जो फैंस सालों से हमारी टीम को सपोर्ट कर रहे हैं, ये जीत उन्हीं के नाम है। वे इस ट्रॉफी के असली हकदार हैं। जब उनसे पूछा गया कि कब लगा कि टीम ट्रॉफी जीत सकती है, तो रजत बोले, मुझे लगता है क्वालिफायर-1 के बाद ये विश्वास हुआ कि हम इस बार अच्छा कर सकते हैं। उस समय हमारी टीम की लय और आत्मविश्वास देखने लायक था। पहली पारी में आरसीबी ने 190 रन बनाए थे। इस पर रजत ने कहा, इस पिच पर 190 रन अच्छा स्कोर था, क्योंकि विकेट थोड़ी धीमी थी। गेंदबाजों ने अपनी योजना को जिस तरह से अंजाम दिया, वो काबिल-ए-तारीफ था। खासकर क्रुणाल पांड्या ने जिस समय गेंदबाजी की, वो टर्निंग पॉइंट था। उनका स्पेल (4 ओवर, 17 रन, 2 विकेट) शानदार था। वह हमेशा दबाव में विकेट निकालते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं जब भी दबाव में होता हूं तो देखता हूं कि 'केपी+ यानी क्रुणाल कहां हैं। मुझे उन पर बहुत भरोसा है। उनके अलावा सुयश, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल, हेज़लवुड - सभी गेंदबाजों ने पूरे सीजन शानदार प्रदर्शन किया। विराट कोहली की 18 साल की आरसीबी यात्रा पर रजत ने कहा, मेरे लिए उनके साथ कप्तानी करना एक बड़ा अवसर था। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। वह इस खिताब के सबसे बड़े हकदार हैं। उन्होंने हमेशा टीम, मैनेजमेंट और हर खिलाड़ी का समर्थन किया। जिस तरह से कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ ने सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया, वो कमाल का था।

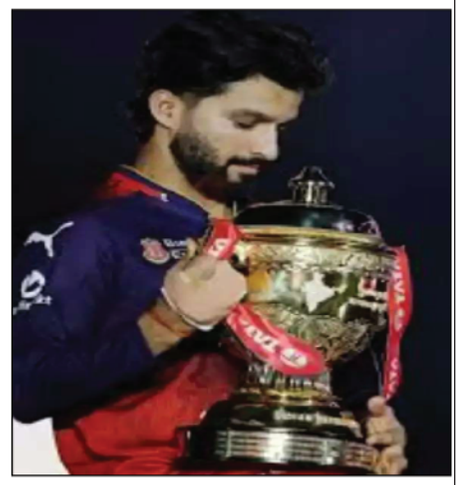

आईपीएल 2025 में दिल्ली को बड़ी उपलब्धि, अरुण जेटली स्टेडियम को मिला 'बेस्ट पिच एंड ग्राउंड' अवॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सफल आयोजन के बाद दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) को बड़ी उपलब्धि मिली है। बीसीसीआई (बीसीसीआई) ने अरुण जेटली स्टेडियम को 'बेस्ट पिच एंड ग्राउंड' अवॉर्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान पिच की गुणवत्ता, आउटफील्ड की देखरेख और संपूर्ण ग्राउंड प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए दिया गया है।

इस पुरस्कार के जरिए आईपीएल 2025 के दौरान ग्राउंड स्टाफ द्वारा किए गए शानदार कार्य को मान्यता मिली है। पूरे टूर्नामेंट में अरुण जेटली स्टेडियम ने खिलाड़ियों को न केवल प्रतिस्पर्धात्मक विकेट प्रदान किया, बल्कि दर्शकों को भी बेहतरीन अनुभव दिया। इस अवसर पर डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, यह अवॉर्ड हमारे क्यूरेटर, स्टाफ और प्रबंधन की अथक मेहनत का परिणाम है। हम क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर में उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विश्वस्तरीय स्टेडियम बनाने डीडीसीए की उपाध्यक्ष शिखा कुमार ने कहा, यह सम्मान हमारे उस विज़न को मान्यता देता है जिसमें हम अरुण जेटली स्टेडियम को एक वर्ल्ड-क्लास क्रिकेट वेन्यू बनाना चाहते हैं। यह दिल्ली क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है। सचिव अशोक शर्मा ने कहा, हर शानदार मैच के पीछे एक मेहनती टीम होती है जो दिन-रात काम करती है। यह अवॉर्ड उसी जुनून और प्रोफेशनलिज्म का प्रतीक है। संयुक्त सचिव अमित ग्रोवर ने कहा, इस सम्मान से हम बेहद उत्साहित हैं। यह हमें खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए और बेहतर सुविधाएं विकसित करने के लिए प्रेरित करता है। कोषाध्यक्ष हरीश सिंगला ने कहा, यह उपलब्धि न केवल हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और योजनाबद्धता का भी प्रमाण है।

खो-खो के वैश्विक विकास को सशक्त बना रहा है केकेएफआई

एजेंसी

गुरुग्राम। खो-खो के वैश्विक विकास को सशक्त बनाने और इसके वैज्ञानिक व तकनीकी आधार को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ (आईकेकेएफ) के तत्वावधान में विश्वभर के कोचों और तकनीकी अधिकारियों के लिए एडवांस्ड लेवल III-A प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया है। यह कोर्स 2 जून को श्री गुरु गोबिंद सिंह टर्सेंटेनरी (एसजीटी) विश्वविद्यालय, बुढेड़ा में शुरू हुआ है और 15 जून तक चलेगा। इस गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्रीलंका, बांग्लादेश, ईरान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कोरिया और मलेशिया जैसे सात देशों के लगभग 20 अंतरराष्ट्रीय कोच और अधिकारी भाग ले रहे हैं, जिनके साथ भारत के विभिन्न हिस्सों से आए 50 कोच और 65 तकनीकी अधिकारी भी शामिल हैं। कोचों के प्रशिक्षण सत्र 2 जून से 11 जून तक आयोजित किए जा रहे हैं, इसके बाद 12 जून से 15 जून तक तकनीकी अधिकारियों के लिए सत्र आयोजित किए जाएंगे। यह एडवांस्ड लेवल III-A कोर्स न केवल तकनीकी उत्कृष्टता बल्कि खेल के समग्र विकास को भी ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। दो सप्ताह के दौरान, प्रतिभागी बायोमैकेनिक्स और मूवमेंट विश्लेषण, रिकवरी के लिए ऑटोजेनिक ट्रेनिंग, खो-खो में स्पोर्ट्स साइंस का परिचय, खेलों में डोपिंग के प्रति जागरूकता, खेल मनोविज्ञान, वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग और आईकेकेएफ द्वारा निर्धारित नवीनतम नियमों जैसे विषयों में प्रशिक्षण लेंगे।

नॉर्वे शतरंज 2025 राउंड 8ः हिकारू ने गुकेश को दी मात, कोनेरू हम्पी महिला वर्ग में आगे

एजेंसी

स्टावेंगर (नॉर्वे)। नॉर्वे शतरंज 2025 के आठवें राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस राउंड का सबसे चर्चित मैच विश्व चैंपियन डी. गुकेश और अमेरिका के दिग्गज ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा के बीच खेला गया, जिसमें नाकामुरा ने जीत दर्ज की। शुरुआत से ही हिकारू नाकामुरा ने आक्रामक अंदाज़ में खेलते हुए गुकेश को दबाव में ला दिया। पिछले दो राउंड में जबरदस्त बचाव करने वाले गुकेश इस बार नाकामुरा के हमलों के आगे टिक नहीं सके और उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से नाकामुरा को पूरे तीन अंक मिले। एक और अहम मुकाबले में भारतीय शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी की फबियानो कारुआना से लंबी और कठिन जंग चली। एंडगेम में कारुआना थोड़े बेहतर स्थिति में दिखे, लेकिन समय के दबाव में उन्होंने एक निर्णायक चूक कर दी। एरिगैसी ने इसका फायदा उठाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया और तीन अंक हासिल किए। दिन का अंतिम मुकाबला चीन के वेई यी और विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के बीच खेला गया, जो नियमित समय में बिना किसी खास हलचल के ड्रॉ पर समाप्त हुआ। हालांकि, आर्मगेडन मुकाबले में वेई यी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्णायक अंक हासिल किए। महिला वर्ग में भी आठवें राउंड में कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत की अनुभवी खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने ईरान की सारा खादेम के खिलाफ जटिल स्थिति से बाज़ी को अपने पक्ष में मोड़ा। खुलेपन से ही हम्पी ने जटिल पोजिशन तैयार की और इसे सटीक अंदाज़ में जीत में बदल दिया। हालांकि, समय की कमी के चलते उन्होंने एक गंभीर चूक की, जिससे सारा खादेम के पास वापसी का मौका था लेकिन उस मौके को भुनाने में असफल रहीं और हम्पी ने तीन अंक पक्के किए। बाकी दो मुकाबले—अन्ना मुजिचुक बनाम लेई टिंगजी और आर. वैषाली बनाम जू वेनजून मैच नियमित खेल में जल्दी ही ड्रॉ पर समाप्त हुए। हालांकि, आर्मगेडन गेम में अन्ना मुजिचुक और वैषाली ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए अतिरिक्त अंक हासिल किए। पॉइंट टेबल में स्थिति अब बेहद रोचक हो गई है और दोनों वर्गों में अगला राउंड मुकाबलों को और भी रोमांचक बना सकता है।

नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 टूर्नामेंट अब 5 जुलाई को बेंगलुरु में

नई दिल्ली। नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 प्रतियोगिता का आयोजन अब 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। पहले यह इवेंट 24 मई को होना तय था, लेकिन सुरक्षा कारणों और देश के प्रति एकजुटता के भाव के चलते इसे पुनः निर्धारित किया गया है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने मंगलवार को जानकारी दी कि यह भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक टूर्नामेंट होगा, जो नीरज चोपड़ा, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह भारत में अब तक का सबसे उच्च स्तर का अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मुकाबला होगा। प्रतियोगिता की अगुवाई ओलंपिक चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन नीरज चोपड़ा करेंगे। नीरज चोपड़ा क्लासिक टूर्नामेंट का उद्देश्य दुनिया भर की शीर्ष प्रतिभाओं को भारत में लाना और देश के नए एथलीट्स को प्रेरणा देना है।

आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-3: पार्थ सालुंखे की चमक से बढ़ी भारत की उम्मीदें

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के युवा तीरंदाज पार्थ सालुंखे की हालिया सफलता ने भारतीय तीरंदाजी में नई ऊर्जा भर दी है। शंघाई में हुए आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-2 में अपना पहला विश्व कप पदक जीतकर चर्चा में आए 21 वर्षीय पार्थ अब अंताल्या में बुधवार से शुरू हो रहे स्टेज-3 में दम दिखाने को तैयार हैं।

टोक्यो चैंपियन और कोरियाई दिग्गज को दी मात

महाराष्ट्र के सतारा से ताल्लुक रखने वाले पार्थ ने शंघाई में अपने जबरदस्त प्रदर्शन से सबको चौंका दिया। उन्होंने पहले राउंड में टोक्यो ओलंपिक चैंपियन मेटे गजोज़ को शूट-ऑफ में हराया और फिर क्वार्टरफाइनल में दो बार के ओलंपिक टीम गोल्ड मेडलिस्ट कोरियाई खिलाड़ी किम जे-डियोक को सीधे सेटों में मात दी।

सेमीफाइनल में वह कोरियाई दिग्गज किम वू-जिन के खिलाफ 0-4 से पिछड़ने के बाद 4-4 की बराबरी पर आए, लेकिन निर्णायक सेट में करीबी मुकाबले में हार गए। इसके बावजूद, उन्होंने कांस्य पदक मुकाबले में पेरिस ओलंपिक रजत विजेता बैप्टिस्ट एडिस को हराकर अपना पहला वर्ल्ड कप पदक हासिल किया।

दबाव में नहीं डगमगाए पार्थ

हालांकि पार्थ क्वालिफिकेशन राउंड में भारतीय तीरंदाजों में सबसे पीछे 60वें स्थान पर रहे थे, लेकिन एलिमिनेशन राउंड में उन्होंने गजब की मानसिक मजबूती दिखाई। उनके अनुसार, मेरा फोकस सिर्फ पदक पर नहीं था, मैं देखना चाहता था कि मैंने जो प्रैक्टिस की है, वो मैच में उतार पाता हूं या नहीं। पार्थ की इस प्रेरक सफलता से भारतीय पुरुष रिकर्व टीम - जिसमें तरुणदीप राय, अतानु दास और धीरज बोम्मदेवरा शामिल हैं - को भी प्रेरणा मिली है। शंघाई में ब्रॉन्ज मेडल प्लेऑफ में अमेरिका से हारकर मेडल से चूकने वाली यह टीम अंताल्या में वापसी करना चाहेगी। महिला वर्ग में दीपिका कुमारी ने मां बनने के बाद जबरदस्त वापसी की है। शंघाई में उन्होंने कांस्य पदक जीता और सेमीफाइनल में कोरियाई लिम सिह्यॉन से हार गईं। दीपिका की निगाहें अब अपने पहले विश्व कप गोल्ड पर हैं जो उन्होंने आखिरी बार 2021 में जीता था।

भारत ने शंघाई में कुल सात पदक (2 स्वर्ण, 1 रजत, 4 कांस्य) जीतकर कोरिया के बाद दूसरा स्थान हासिल किया था। कंपाउंड वर्ग में भारत का दबदबा रहा, जहां मधुरा धमणगांवकर ने व्यक्तिगत स्वर्ण जीता और ओजस देओताले, ऋषव यादव और अभिषेक वर्मा की टीम ने भी गोल्ड पर कब्जा किया।

आईपीएल खिताब जीतने पर कोहली ने कहा-ये जीत आत्मा को सुकून दे रही है

एजेंसी

अहमदाबाद। 18 साल का लंबा इंतज़ार, अनगिनत कोशिशें और अंततः विराट कोहली को वह पल मिला जिसका वह हर सीजन में इंतज़ार करते थे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने पहली बार आईपीएल ट्रॉफी जीत ली। मैच के बाद विराट कोहली ने कहा कि ये खिताबी जीत उनकी आत्मा को सुकून दे रही है। विराट कोहली ने मैच के बाद कहा, मैंने इस टीम को अपनी जवानी दी है, अपना प्राइम टाइम और अपना अनुभव दिया। हर साल यही सपना देखा कि ट्रॉफी जीतूं। आज ये सपना पूरा हुआ, यकीन नहीं हो रहा। जैसे ही आखिरी गेंद डाली गई, मैं भावुक हो गया। ये जीत मेरी आत्मा को सुकून देती है। मैं आईपीएल में आखिरी दिन तक इसी टीम के लिए खेलूंगा। ये खिताब मेरे करियर के सबसे ऊपर है। टेस्ट क्रिकेट को लेकर भी विराट ने अपनी भावना जताते हुए कहा, ये जीत मेरे दिल के बहुत करीब है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट की अहमियत इससे कहीं ज्यादा है। जो युवा खिलाड़ी हैं, उन्हें मैं कहूंगा कि टेस्ट को सम्मान दो। अगर टेस्ट में परफॉर्म करोगे, तो दुनिया भर में इज्जत मिलेगी। विराट के अलावा खिताबी जीत पर क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार समेत टीम के कई सितारों की भावनाएं छलक पड़ीं। मैन ऑफ द मैच रहे क्रुणाल पांड्या ने फाइनल में धीमी गेंदों से कमाल कर दिया। उन्होंने कहा, पहली पारी में ही अंदाजा लग गया था कि स्लो बॉल ही कारगर रहेगी। हिम्मत चाहिए इस फॉर्मेट में ऐसा करने की, लेकिन मैंने हालात को पढ़ा और खुद पर भरोसा किया। मैंने पहले दिन ही कहा था कि इस बार जीतना है और पांड्या परिवार के पास अब 11 में 9 ट्रॉफी हो गई हैं! टीम के बल्लेबाजी कोच दिनेश कार्तिक ने कहा,ये टीम 18 साल से इस दिन का इंतजार कर रही थी। एबी डिविलियर्स, कोहली - सबने दिल से कोशिश की थी। हमारे पास सभी ज़रूरी स्किल थे और विश्वास था कि हम जीत सकते हैं। एंडी फ्लावर और मो बोबट की योजना और मेहनत ने इस टीम को आकार दिया। भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि क्रुणाल की गेंदबाज़ी ने पूरा मैच बदल दिया। उन्होंने कहा, हम जानते थे कि 190 रन आसान नहीं होंगे, लेकिन क्रुणाल की स्पेल ने सब कुछ पलट दिया। जॉश हेज़लवुड ने विराट की भावना को लेकर कहा, ये जीत विराट के लिए सब कुछ है। उन्होंने सालों इस टीम के लिए खेला है और आज का परिणाम उन्हें बहुत सुकून देगा।

गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़े विपक्षी दलों ने पांचवें दिन भी नहीं चलने दी संसद

काठमांडू। मानव तस्करी के आरोप में घिरे गृह मंत्री रमेश लेखक के इस्तीफे की मांग करते हुए विपक्षी दलों ने पांचवें दिन भी संसद नहीं चलने दी। विपक्षी दलों का कहना है कि जब तक गृह मंत्री का इस्तीफा नहीं हो जाता, तब तक संसद की कार्रवाई नहीं चलने दी जाएगी। मंगलवार से संसद में आम बजट पर चर्चा होनी थी, लेकिन विपक्षी दलों ने गृहमंत्री के इस्तीफे के बिना संसद में कोई भी चर्चा नहीं होने देने के लिए सदन की कार्रवाई को अवरुद्ध किया। सरकार की तरफ से गृह मंत्री के बयान दिए जाने का प्रस्ताव भी रखा गया, लेकिन विपक्षी दलों ने उसे अस्वीकार कर दिया। प्रमुख विपक्षी दल माओवादी के नेता वर्षमान पुन ने कहा कि गृह मंत्री को उसी शर्त पर सदन में बोलने दिया जाएगा, जब वो अपनी बात रखने के बाद इस्तीफा देंगे, लेकिन सत्ता पक्ष गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग को सिरे से खारिज कर रहा है। एक और विपक्षी दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद मुकुल ढकाल ने कहा है कि मानव तस्करी के मामले में गृह मंत्री की सीधी संलग्नता का प्रमाण उनके पास है और वो उसे सदन में पेश करने वाले हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे 800 से अधिक लोगों ने उनके पास इस बात का प्रमाण भेजा है कि उन्होंने गृह मंत्री के बैंक अकाउंट में पैसा जमा किया है। ढकाल का कहा है कि इस बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है।

तुर्किये और ग्रीस में भूकंप से दहशत, लोग खिड़कियों और बालकनी से कूदे

अंकारा (तुर्किये)/एथेंस (ग्रीस)। तुर्किये और ग्रीस में रात को आए शक्तिशाली भूकंप से घबराए लोग जान बचाने के लिए घरों की बालकनी और खिड़कियों से कूद गए। इससे कोई हाथ तुड़वा बैठा तो किसी के पैर पर चोट आई। बहुत से लोगों के शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आई है। 70 से अधिक घायलों को अस्पताल भेजा गया। ग्रीस के द नेशनल हेराल्ड अखबार की खबर के अनुसार तुर्किये के आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्रेसीडेंसी ने कहा कि सोमवार आधीरात बाद 2:17 बजे भूकंप के शक्तिशाली झटके तुर्किये के तटीय शहर के लोगों ने महसूस किए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.8 दर्ज की गई। इससे डर कर लोग अपने घरों से बाहर निकलने के लिए खिड़कियों और बालकनी से कूद गए। एक किशोरी की अस्पताल ले जाने के बाद मौत हो गई। हालांकि इससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्रेसीडेंसी ने कहा कि भूकंप का केंद्र भूमध्य सागर में था। यह मार्मारिस के हॉलिडे रिसॉर्ट के पास था। भूकंप के झटके ग्रीस द्वीप रोड्स सहित पड़ोसी क्षेत्रों में भी महसूस किए गए। तुर्किये के आंतरिकमंत्री अली येरलिकाया ने एक्स पर कहा कि एक 14 वर्षीय लड़की को अस्पताल ले जाया गया और वहां उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घबराहट में खिड़कियों या बालकनी से कूदने के कारण लगभग 70 अन्य लोगों को चोटों के लिए उपचार दिया गया। उन्होंने बताया कि इमारतों को नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं है।

इजराइल ने राफाह में की गोलीबारी, हमास ने किया 27 फिलिस्तीनियों की मौत का दावा

गाजा पट्टी। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने आज दक्षिण गाजा के राफाह में मानवीय सहायता वितरण केंद्र की तरफ बढ़ रहे संदिग्धों को रोकने के लिए गोलीबारी की। आईडीएफ ने बयान में कहा कि केंद्र से लगभग 500 मीटर दूर संदिग्धों को पहले चेतावनी दी गई। चेतावनी को अनसुना करने पर फायरिंग करनी पड़ी। हमास ने दावा किया है कि इस गोलीबारी 27 फिलिस्तीनी मारे गए। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार के अनुसार गाजा पट्टी में मौजूद हमास के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि गोलीबारी में 27 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। आईडीएफ के अनुसार सहायता सामग्री लेने जा रही फिलिस्तीनियों की भीड़ में कई संदिग्ध थे। इसलिए गोली चलानी पड़ी। फिर भी संदिग्ध तितर-बितर नहीं हुए। तब उन्हें पास जाकर गोली मारी गई। रेडक्रॉस ने घोषणा की कि राफाह में संचालित उसके फील्ड अस्पताल में 184 घायल पहुंचे। उनमें से 27 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया और 35 अन्य को तत्काल चिकित्सा उपचार की आवश्यकता थी। इस बीच सहायता वितरण के लिए जिम्मेदार अमेरिका और इजराइल समर्थित संस्था गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन ने कहा कि राफाह में सहायता का वितरण जारी है।

संयुक्त राष्ट्र ने सूडान में सहायता काफिले पर हमले की निंदा की, हमले में पांच लोगों की मौत हुई

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने सूडान में संयुक्त राष्ट्र सहायता काफिले पर हमले की कड़ी निंदा की। इस हमले में पांच कर्मचारियों को मौत हो गयी थी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुख्य प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को कहा, हम मानवीय कर्मियों के खिलाफ हिंसा के इस भयावह कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। मनवीय कर्मियों ने सूडान में अकाल प्रभावित क्षेत्रों में कमजोर बच्चों और परिवारों तक पहुंचने के प्रयास में सचमुच अपनी जान जोखिम में डाली। श्री दुजारिक ने कहा कि सोमवार रात 30 से अधिक वाहनों के काफिले पर हुए हमले में कई अन्य लोग घायल हो गए है। वाहनों में खाद्य और पोषण आपूर्ति ले जा रहे थे। जिनमें 15 विश्व खाद्य कार्यक्रम- यूनिसेफ के ट्रक भी शामिल थे। प्रवक्ता ने कहा कि वाहन देश के उत्तर-पूर्व में पोर्ट सूडान से दक्षिण-पश्चिम में एल फशर तक की दूरी तय करने के बाद वाहनों के प्रवेश की मंजूरी के इंतजार में सड़क के किनारे खड़े थे।

ली जे-म्यांग दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति चुने गए

एजेंसी

सियोल । डेमोक्रेटिक पार्टी (डीपी) के उम्मीदवार ली जे-म्यांग बुधवार को साउथ कोरिया के नए राष्ट्रपति चुने गए हैं। यह जीत कई महीनों की उथल-पुथल के बाद आई, जिसमें उनके पूर्व प्रतिद्वंद्वी को मार्शल लॉ लागू करने की असफल कोशिश के कारण महाभियोग और पद से हटाया गया था। न्यूज एजेंसी के अनुसार यून के दिसंबर में मार्शल लॉ लगाने की असफल कोशिश ने ली जे-म्युंग के राष्ट्रपति बनने का रास्ता बनाया, लेकिन इसने देश में राजनीतिक विभाजन को और गहरा दिया। साथ ही, अमेरिका की टैरिफ नीतियों से लेकर उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु हथियार कार्यक्रम तक कई चुनौतियों को और मुश्किल कर दिया। सभी वोटों की गिनती के बाद, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (डीपी) के ली जे-म्युंग ने 49.42 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि उनके कंजर्वेटिव पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) के प्रतिद्वंद्वी किम मून-सू को 41.15 प्रतिशत वोट मिले।

ली ने 1.73 करोड़ वोट हासिल

किए, जो किम से 29 लाख वोट ज्यादा थे। यह किसी भी राष्ट्रपति चुनाव में अब तक के सबसे अधिक वोट हैं। इस आंकड़े ने साल 2022 के चुनाव में यून सुक योल के 1.63 करोड़ वोटों को भी पार कर दिया है। सियोल के येओउइदो में नेशनल असेंबली स्थित है। यहां से ली जे-म्युंग ने अपने भाषण में वादा किया है कि वह 'विद्रोह' को खत्म करेंगे और 'सैन्य तख्तापलट' जैसी स्थिति को रोकेंगे।ली जे-म्यांग ने अपनी पत्नी किम ह्यो-क्युंग के साथ मंच पर कहा, मैं एक ऐसी दुनिया बनाने का अपना मिशन पूरा करूंगा जहां लोकतंत्र बहाल हो, लोग संप्रभु के रूप में सम्मानित हों और हम एक-दूसरे के साथ सहयोग से रहें। जैसे ही मुझे राष्ट्रपति के रूप में चयन की पुष्टि मिलेगी, मैं अर्थव्यवस्था को सुधारने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दूंगा। पीपीपी उम्मीदवार किम मून-सू ने अपने पार्टी हेडक्वार्टर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में हार स्वीकार की और कहा कि वह लोगों के फैसले को विनम्रता से स्वीकारते हैं। इसके साथ ही उन्होंने ली को उनकी जीत पर बधाई दी है।

साथ ही, अमेरिका की टैरिफ नीतियों से लेकर उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु हथियार कार्यक्रम तक कई चुनौतियों को और मुश्किल कर दिया।

रूस ने दो रेल पुल उड़ाने पर यूक्रेन पर लगाया 'आतंकवाद' का आरोप

एजेंसी

मॉस्को। रूस की राज्य जांच समिति ने यूक्रेन पर रूस के भीतर आतंकवादी हमले करने का गंभीर आरोप लगाया है। समिति का कहना है कि यूक्रेनी हमलावरों ने बीते सप्ताहांत में रूस के कुर्स्क और ब्रायंस्क क्षेत्रों में दो रेलवे पुलों को उड़ा दिया, जिससे भीषण ट्रेन हादसे हुए। समिति ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर बताया कि इन हमलों का उद्देश्य सैकड़ों नागरिकों को निशाना बनाना था। इन घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हुई और 113 लोग घायल हुए। रूस का दावा है कि ट्रेन हादसे दोनों पुलों के गिरने के कारण हुए, जिससे कई डिब्बे पटरी से उतर गए। दोनों क्षेत्र कुर्स्क और ब्रायंस्क यूक्रेन सीमा से सटे हैं और पूर्व में भी युद्ध संबंधी गतिविधियों का सामना कर चुके हैं। रूसी जांच एजेंसी के मुताबिक, इन घटनाओं की जांच आतंकवाद के तहत की जा रही है और दोषियों की

पहचान और सजा के लिए सभी कानूनी उपाय अपनाए जाएंगे।हालांकि यूक्रेन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया अभी तक सामने नहीं आई है।

टोरंटो में सामूहिक गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत, पांच घायल

एजेंसी

टोरंटो । कनाडा के टोरंटो में सामूहिक गोलीबारी की घटना सामने आई है। पुलिस के अनुसार, गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं पांच अन्य लोग घायल हो गए हैं। राहत की बात यह है कि सभी की जान खतरे से बाहर है। स्थानीय समयानुसार रात 8:30 बजे टोरंटो के एक इलाके में गोलियों की आवाज सुनाई दी। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस और इमरजेंसी टीम तुरंत रैनी एवेन्यू और एलन रोड के पास फ्लेमिंगटन और जैचरी रोड के इलाके में पहुंची। गोलीबारी की यह घटना नॉर्थ यॉर्क के यॉर्क डेल शॉपिंग सेंटर से कुछ ही दूर, घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके में हुई। टोरंटो पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि इस गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और कई लोग घायल हुए हैं। पोस्ट में लिखा, 'गोलीबारी (अपडेट)- एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है। 5 लोगों को गोली लगी है, लेकिन उनकी जान को खतरा नहीं है। सभी को अस्पताल

ले जाया गया है।' टोरंटो पुलिस ने रैनी एवेन्यू और फ्लेमिंगटन रोड इलाके में एक कमांड पोस्ट बनाया है और जांच की जा रही है। अभी तक पुलिस ने किसी भी संदिग्ध के बारे में जानकारी नहीं दी है और न ही किसी की गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

टोरंटो की मेयर ओलिविया चाउ ने इस घटना पर चिंता जताई और मामले में त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस और इमरजेंसी अधिकारियों का धन्यवाद किया। ओलिविया चाउ ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'लॉरेंस हाइट्स इलाके में हुई गोलीबारी की खबर सुनकर मैं बहुत परेशान हूं। मेरी टीम टोरंटो पुलिस और स्थानीय नेता डिप्टी मेयर माइक कोली के संपर्क में है। पुलिस मौके पर मौजूद है और जांच कर रही है। मैं टोरंटो पुलिस, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस सेवा का शुक्रिया अदा करती हूं, जिन्होंने इतनी मुश्किल और व्यस्त स्थिति में भी अपना काम किया। टोरंटो पुलिस जल्द ही घटना पर एक नया अपडेट देने पर काम कर रही है। पुलिस लोगों से अपील कर रही है कि अगर किसी ने कुछ देखा है या उसके पास इस गोलीबारी से जुड़ी कोई जानकारी है, तो वह आगे आकर बताए। फिलहाल, गोलीबारी के पीछे का मकसद अभी साफ नहीं हुआ है।

गाजा में जीएचएफ ने मानवीय सहायता का वितरण रोका

एजेंसी

गाजा पट्टी। अमेरिका समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) ने गाजा में मानवीय सहायता का वितरण रोक दिया है। इससे फिलिस्तीनी नागरिकों के सामने भविष्य में खाद्य संकट गहराने की आशंका है। जीएचएफ ने घोषणा की है कि केंद्रों से भोजन सामग्री और अन्य जरूरी सामान का वितरण आज नहीं किया जाएगा।

सभी वितरण केंद्र बंद रहेंगे। द टाइम्स ऑफ इजराइल की खबर के अनुसार, वितरण केंद्रों के आसपास बार-बार की गई गोलीबारी की वजह से ऐसा करना पड़ा है। जीएचएफ ने वितरण केंद्रों पर इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) से सुरक्षा बढ़ाने का आग्रह किया है। जीएचएफ ने घोषणा की है कि उसके सहायता वितरण केंद्र संचालित नहीं होंगे। इस बीच आईडीएफ ने कहा है कि गुरुवार को संचालन दोबारा शुरू करने से पहले वितरण स्थलों तक सुरक्षित पहुंच मार्ग तैयार किया जाएगा।

जीएचएफ के प्रवक्ता ने कहा कि लगातार तीसरे दिन भोजन के डिब्बे लेने की कोशिश कर रहे फिलिस्तीनियों को निशाना बनाया गया। आईडीएफ के अरबी भाषा के प्रवक्ता ने भी एक बयान जारी कर फिलिस्तीनियों को चेतावनी दी कि सहायता स्थलों की ओर जाने वाली सड़कों पर यात्रा करना अंतरिम रूप से प्रतिबंधित रहेगा। इन सड़कों को युद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है।

ईरानी पुलिस ने लापता हुए तीन भारतीयों को बचाया

एजेंसी

तेहरान । ईरानी पुलिस ने पिछले महीने लापता हुए तीन भारतीयों को बचाया है। भारत स्थित ईरानी दूतावास ने इसकी जानकारी दी। दूतावास ने स्थानीय मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि पिछले महीने ईरान में लापता हुए तीन भारतीय नागरिकों को सफलतापूर्वक बचा लिया गया है। ये स्थानीय ट्रैवल कंपनी की ओर से आकर्षक नौकरी का वादा किए जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे। तीनों व्यक्तियों की पहचान जसपाल सिंह, हुसनप्रीत सिंह और अमृतपाल सिंह के रूप में हुई है, जो पंजाब के रहने वाले हैं और पहली मई को तेहरान पहुंचने के तुरंत बाद लापता हो गए थे दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पुष्टि की कि तेहरान पुलिस ने लापता व्यक्तियों को मुक्त कर दिया है। ईरानी दूतावास ने पोस्ट किया, तेहरान पुलिस ने तीन लापता भारतीय नागरिकों को मुक्त करा लिया है। ईरान में स्थानीय मीडिया का कहना है कि पुलिस ने ईरान में लापता हुए तीन भारतीयों को ढूंढ़कर रिहा करा लिया है। ईरानी समाचार

एजेंसी मेहर के अनुसार, ये लोग एक स्थानीय ट्रैवल कंपनी द्वारा आकर्षक नौकरी का वादा किये जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे। तस्नीम समाचार आउटलेट के मुताबिक, तीनों को दक्षिणी तेहरान स्थित वरामिन में बंधक बनाने वालों के खिलाफ पुलिस अभियान के बाद बचाया गया। लापता व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों द्वारा अपने रिश्तेदारों के अचानक लापता होने पर गंभीर चिंता व्यक्त करने के बाद भारतीय दूतावास ने 28 मई को एक बयान जारी किया था। बयान में कहा गया है, ÷तीन भारतीय नागरिकों के परिवार के सदस्यों ने भारतीय दूतावास को सूचित किया है कि उनके रिश्तेदार ईरान की यात्रा के बाद लापता हो गए हैं। दूतावास ने इस मामले को ईरानी अधिकारियों के समक्ष जोरदार तरीके से उठाया है और अनुरोध किया है कि लापता भारतीयों का तत्काल पता लगाया जाए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। हम दूतावास द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में परिवार के सदस्यों को नियमित रूप से जानकारी दे रहे हैं।रिपोर्टों से यह भी पता चला है कि परिवारों को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एक करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की गई थी, तथा धमकी भरे कॉल पाकिस्तानी फोन नंबरों से आए थे। इसने गंभीर चिंता पैदा कर दी, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों की ओर से कूटनीतिक बातचीत तेज हुई।

गेर्ट वाइल्डर्स के गठबंधन से हटने के बाद नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री डिक स्कोफ का इस्तीफा

एजेंसी

हेग। नीदरलैंड्स में सियासी संकट गहराता जा रहा है। देश के प्रधानमंत्री डिक स्कोफ ने आज अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जिसकी वजह गेर्ट वाइल्डर्स का गठबंधन सरकार से हटने की अप्रत्याशित घोषणा है। यह निर्णय आव्रजन और शरण नीति को लेकर लंबे समय से चली आ रही तनातनी के बाद लिया गया है। फिलहाल अगले चुनाव तक ये गठबंधन सरकार कार्यवाहक प्रशासन की जिम्मेदारी संभालेगी। प्रधानमंत्री डिक स्कोफ ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा, नीदरलैंड्स के लोगों की सेवा करना मेरे जीवन का गौरव रहा है, लेकिन मौजूदा हालात में सरकार का प्रभावी संचालन संभव नहीं है। दरअसल, डच सरकार चार दलों के गठबंधन गेर्ट वाइल्डर्स की फ्रीडम पार्टी (पीवीवी), पॉपुलिस्ट फार्मर-सिटिज़न्स मूवमेंट (बीबीबी), सेंट्रिस्ट न्यू सोशल कॉन्ट्रैक्ट (एनएससी) और लिबरल वीवीडी पार्टी (वीवीडी) पर टिकी थी। इन चारों दलों ने मिलकर एक अस्थिर, परंतु प्रभावी सरकार बनाई थी लेकिन अब वाइल्डर्स के गठबंधन तोड़ने के फैसले के साथ यह सरकार विभाजित और अपदस्थ हो गई है। इस्लाम विरोधी और आव्रजन-विरोधी रुख के लिए जाने जाने वाले पीवीवी प्रमुख गेर्ट वाइल्डर्स ने गठबंधन में मतभेदों के चलते समर्थन वापस ले लिया। वाइल्डर्स चाहते थे कि शरणार्थियों और प्रवासियों को लेकर नीतियों में और सख्ती लाई जाए, जिसे अन्य गठबंधन दलों ने स्वीकार नहीं किया।

एशियाई विकास बैंक ने पाकिस्तान के लिए 800 मिलियन डॉलर की सहायता राशि को दी मंजूरी

एजेंसी

इस्लामाबाद। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने पाकिस्तान की राजकोषीय स्थिरता को मजबूत करने और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में सुधार लाने के लिए 800 मिलियन अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता को मंजूरी दी है। इस बात की पुष्टि पाकिस्तान के वित्त मंत्री के सलाहकार खुर्रम शहजाद ने की। शहजाद ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि एडीबी ने पाकिस्तान के लिए संसाधन जुटाने संबंधी सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत 800 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। इस पैकेज में दो प्रमुख वित्तीय साधन

शामिल हैं, जिसमें 300 मिलियन डॉलर का नीति-आधारित ऋण और दूसरा 500 मिलियन डॉलर का कार्यक्रम-आधारित गारंटी फंड। फिलीपींस स्थित एशियाई विकास बैंक ने भी एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस बात की पुष्टि की कि यह सहायता इम्प्रूव्ड रिसोर्स मोबिलाइजेशन एंड यूटिलाइजेशन रिफॉर्म प्रोग्राम के सब-प्रोग्राम 2 के तहत दी जा रही है।

इसका उद्देश्य पाकिस्तान को राजस्व संग्रहण बढ़ाने, प्रशासनिक क्षमता में सुधार और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायता देना है। यह वित्तीय सहायता ऐसे समय में आई है जब पाकिस्तान विदेशी ऋण अदायगी, बढ़ती महंगाई और राजकोषीय घाटे जैसी गंभीर आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है।

बांग्लादेश में गैस सिलेंडर से लदा ट्रक पलटा,लगी आग, जोरदार धमाका

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के बिरसार में ब्राह्मणबारिया बाइपास के पास कोमिला-सिलहट राजमार्ग पर आज सुबह 200 से अधिक रसोई गैस सिलेंडरों से भरा ट्रक पलट गया। इसके बाद ट्रक में आग लग गई और इससे कई विस्फोट हुए। अभी भी ट्रक में आग लगी हुई है। रुक-रुक कर सिलेंडर फट रहे हैं। इससे क्षेत्र में दहशत है। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, यह घटना आज सुबह 4:30 बजे की है। तब से घटनास्थल के आसपास विस्फोट की आवाज आ रही है। आग तेजी से भड़क रही है। ब्राह्मणबरिया सदर मॉडल थाना मोहम्मद मुजफ्फर हुसैन ने बताया कि प्रत्येक विस्फोट के साथ सिलेंडर ऊपर की ओर उछल

रहे है। पुलिस के अनुसार, सड़क की खराब हालत के कारण ट्रक पलट गया। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। संबंधित अधिकारियों को बाखबर कर दिया गया है।

जेलेंस्की ने यूरोपीय संघ के रोमिंग क्षेत्र में शामिल होने के कानून पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने यूरोपीय संघ के रोमिंग क्षेत्र में यूक्रेन को शामिल करने संबंधित कानून पर हस्ताक्षर किया। इस कानून के तहत, यूरोपीय संघ के नागरिकों को यूक्रेन में रोमिंग

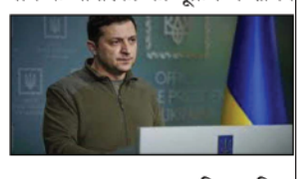

शुल्क का भुगतान किए बिना मोबाइल डेटा का उपयोग करने की अनुमति मिलेगी। यह जानकारी यूक्रेनी डिजिटल परिवर्तन मंत्रालय ने दी।मंत्रालय ने एक बयान में कहा यूक्रेन के राष्ट्रपति ने एक कानून पर हस्ताक्षर किया है जो यूक्रेन को यूरोपीय संघ के एकल रोमिंग के करीब लाता है। यूक्रेन के लोग बिना किसी अतिरिक्त रोमिंग शुल्क के यूरोपीय संघ में मोबाइल संचार का उपयोग कर सकेंगे। इसके बाद, हम यूरोपीय आयोग से सकारात्मक मूल्यांकन और रोम लाइक एट होम नीति में आधिकारिक प्रवेश पर निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि यूक्रेनी नागरिक देश और यूरोपीय संघ में एक ही टैरिफ का उपयोग कर सकेंगे और उन्हें 27 यूरोपीय संघ देशों में कॉल और इंटरनेट के लिए अतिरिक्त भुगतान नहीं करना पड़ेगा।

अमेरिका में जहरीले फंगस की तस्करी के आरोप में चीन की वैज्ञानिक गिरफ्तार

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में खतरनाक जहरीले फंगस (कवक) की तस्करी के आरोप में चीन की एक महिला वैज्ञानिक को पकड़ा गया है। इस फंगस का इस्तेमाल खेत-खलिहानों में फसलों को खराब करने के लिए किया जाता है। इस मामले में एफबीआई एजेंट इस महिला के पुरुष मित्र की भी तलाश कर रहे हैं। वह भी चीन की नागरिक और वैज्ञानिक है। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने कहा है कि गिरफ्तार की गई युनकिंग जियान की उम्र 33 वर्ष है। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने बयान में कहा है कि एफबीआई ने चीन की महिला नागरिक युनकिंग जियान को अमेरिका में खतरनाक खतरनाक जहरीले फंगस (कवक) के साथ गिरफ्तार किया है। जियान पर आरोप है कि उसने 'फ्यूजेरियम ग्रैमिनियरम' नामक खतरनाक कवक की तस्करी की है। यह कृषि पर आतंकी हमला जैसा है। आरोपित 'आतंकवाद एजेंट' है। मिशिगन विश्वविद्यालय की इस शोधार्थी की गिरफ्तारी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह कवक 'हेड ब्लाइट' नामक बीमारी का कारण बनता है। यह गेहूं, जौ, मक्का और चावल में प्रवेश कर

मनुष्य और पशुओं दोनों के स्वास्थ्य में गंभीर समस्याएं उत्पन्न करता है । यह कवक हर साल दुनिया भर में अरबों डॉलर के आर्थिक नुकसान के लिए जिम्मेदार है। काश पटेल ने कहा कि साक्ष्य यह भी संकेत देते हैं कि जियान ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादारी व्यक्त की। इस कवक के लिए चीन सरकार से धन प्राप्त किया।। उन्होंने कहा कि जियान के पुरुष मित्र जुनयोंग लियू पर भी ऐसा ही आरोप है। वह चीन के एक विश्वविद्यालय में काम करता है। लियू पर आरोप है कि उसने पहले झूठ बोला फिर स्वीकार किया कि उसने फ्यूजेरियम ग्रैमिनेरम की तस्करी भी अमेरिका में की थी, जिससे वह भी मिशिगन विश्वविद्यालय में शोध कर सके। एफबीआई निदेशक पटेल ने कहा कि इससे साबित होता है कि चीन अमेरिकी संस्थाओं में घुसपैठ करने और देश की खाद्य आपूर्ति को लक्षित करने के लिए काम कर रहा है। वह अमेरिकी जीवन और अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाना चाहता है। न्यूज की खबर के अनुसार, मिशिगन के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने बयान में कहा कि युनकिंग जियान और जुनयोंग लियू पर साजिश, तस्करी, झूठे बयान और वीजा धोखाधड़ी का संगीन इलजाम है। जियान की गिरफ्तारी के बाद लियू के ठिकानों को तलाशा जा रहा है। संघीय आरोपपत्रों को सीलबंद कर दिया गया। गिरफ्तार की गई युनकिंग जियान मिशिगन विश्वविद्यालय में पोस्ट डॉक्टरल फेलो है। एफबीआई एजेंटों ने लियू और जियान के बीच 2022 के वीचैट संदेशों को काफी खतरनाक माना है। इनमें संयुक्त राज्य अमेरिका में बीजों की तस्करी पर चर्चा की गई थी। संघीय अदालत ने मंगलवार की सुनवाई में जियान को सलाखों के पीछे रहने का आदेश दिया। इस पूरे प्रकरण की जांच एफबीआई काउंटर इंटेलिजेंस डिवीजन ने की है। अमेरिकी अटॉर्नी जेरोम गोरगन ने कहा है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के एक वफादार सदस्य सहित चीन के इन दोनों नागरिकों की कथित हरकतें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर चिंता का विषय हैं। इस संबंध में मिशिगन विश्वविद्यालय ने चीन की शोधार्थी की इस हरकत की निंदा की है। विश्वविद्यालय ने कहा कि वह जांच में हरदम सहयोग करेंगे।

कभी सिर्फ 500 रुपये कमाती थीं

सोनाक्षी सिन्हा

अब हैं इतने करोड़ की मालकिन

हिंदी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का जन्म शत्रुघ्न सिन्हा के घर 2 जून 1987 को हुआ था. अपना 38वां जन्मदिन मना रहीं सोनाक्षी सिन्हा ने पिता की राह पर चलते हुए बॉलीवुड में बतौर एक्ट्रेस अपनी शुरुआत साल 2010 की फिल्म 'दबंग' से की थी. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई और सोनाक्षी को खास पहचान मिल गई. सोनाक्षी ने शुरुआत में फिल्म इंडस्ट्री में जबरदस्त सफलता हासिल की, लेकिन बाद में उनका करियर ढलान पर चला गया.

सोनाक्षी सिन्हा ने 'दबंग' में सलमान खान के साथ काम किया था. इसके बाद उन्होंने 'राउडी राठौर' और 'हॉलिडे' जैसी हिट फिल्मों में अक्षय कुमार के साथ काम किया. जबकि अजय देवगन के साथ 'सन ऑफ सरदार' में नजर आईं. हालांकि इसके बावजूद वो बड़ी एक्ट्रेस नहीं बन सकीं. अब उन्होंने फिल्मों में काम करना भी कम कर दिया है. हालांकि फ्लॉप होने के बावजूद सोनाक्षी के पास करोड़ों की दौलत है. लेकिन कभी वो दिन के सिर्फ 500 रुपये कमाती थीं.

500 रुपये कमाती थीं सोनाक्षी

बिहार की राजधानी पटना में पैदा हुईं सोनाक्षी को शुरू से ही घर में फिल्मी माहौल मिला. उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा अपने दौर के दिग्गज एक्टर रहे, हालांकि इसके बावजूद उनकी बेटी को कॉलेज में बतौर वॉलंटियर काम करना पड़ा था.कॉलेज में पढ़ाई के दौरान एक्ट्रेस ने एक फैशन वीक में वॉलंटियर के रूप में काम किया था. इसके लिए उन्हें हर दिन 500 रुपये मिला करते थे. उन्होंने 6 दिनों तक काम किया था. बदले में उन्हें 3 हजार रुपये का चेक मिला था. उस चेक को सोनाक्षी ने अपने माता-पिता को सौंप दिया था जो कि आज तक उनकी मां ने फ्रेम करवा कर घर में रखा है.

कितनी अमीर हैं सोनाक्षी सिन्हा ?

सोनाक्षी ने श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी महिला विश्वविद्यालय (एसएनडीटी) से फैशन डिजाइनिंग में ग्रेजुएशन किया था. इसके बाद अपनी मां पूनम सिन्हा द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म 'मेरा दिल लेके देखो' के लिए कॉस्ट्यूम डिजाइनर के रूप में काम किया. जबकि 2008-09 में लैक्मे फैशन वीक में रैंप वॉक भी की. लेकिन 2010 में उन्होंने बॉलीवुड में बतौर एक्ट्रेस एंट्री ली और नाम के साथ ही खूब पैसा भी कमाया. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोनाक्षी अब 100 करोड़ रुपये की संपत्ति की मालकिन हैं.

12 साल पहले दोस्ती और प्यार पर आई थी रणबीर-दीपिका की ये ब्लॉकबस्टर फिल्म, बजट से कई गुना ज्यादा हुई थी कमाई

बॉलीवुड के पॉपुलर सितारे रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की ब्लॉकबस्टर फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी. 12 साल पहले रिलीज होने वाली इस फिल्म का नाम 'ये जवानी है दीवानी' है जिसने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी. फिल्म के गाने और डायलॉग्स आज भी लोग पसंद करते हैं. रणबीर कपूर की इस फिल्म ने लोगों के दिलों पर अलग ही असर छोड़ा था.फिल्म ये जवानी है दीवानी दोस्ती पर बनी बेस्ट फिल्म मानी जाती है और इसके डायलॉग्स फ्रेंडशिप डे पर शेयर किये जाते हैं. इस फिल्म में रणबीर और दीपिका की लव स्टोरी भी दिखाई गई जो बहुत अलग थी. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की थी और इससे जुड़ी कई अहम जानकारी, आइए बताते हैं.

'ये जवानी है दीवानी' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

31 मई 2013 को फिल्म ये जवानी है दीवानी रिलीज हुई थी जिसे अयान मुखर्जी ने डायरेक्ट किया था. इस फिल्म को करण जौहर ने प्रोड्यूस किया था और इसका म्यूजिक प्रीतम ने तैयार किया था. इस फिल्म में रणबीर कपूर, आदित्य रॉय कपूर, कल्कि केकलां और दीपिका पादकोण लीड रोल में नजर आए.

वहीं उनके अलावा कुणाल रॉय कपूर, एलविन शर्मा, माधुरी दीक्षित, पूर्ना जगन्नाथ, फारुख शेख और तन्वी आज्मी ने भी अहम किरदार निभाए. अगर फिल्म की कमाई की बात करें तो Sacnilk के मुताबिक, फिल्म ये जवानी है दीवानी ने वर्ल्डवाइड 318 करोड़ का कलेक्शन किया था. जबकि फिल्म ने भारत में 188.57 करोड़ का कलेक्शन किया था, फिल्म के बजट की बात करें तो इसका बजट 75 करोड़ रुपए था.

किस ओटीटी पर देख सकते हैं 'ये जवानी है दीवानी' ?

इस फिल्म में 'बद्तमीज दिल', 'बलम पिचकारी', 'इलाही', 'कबीरा', 'दिल्लीवाली गर्लफ्रेंड', 'सुभानअल्लाह', 'घाघरा' जैसे गाने थे जो सुपरहिट हुए और इन्हें आज भी पसंद किया जाता है. अगर फिल्म की कहानी की बात करें तो इसमें कबीर थापर (रणबीर कपूर) एक खुशदिल इंसान होता है जो अपने बेस्ट फ्रेंड्स अवि (आदित्य रॉय कपूर) और अदिती (कल्कि कोच्लिन) के साथ मनाली ट्रिप पर जाता है.

जब सलमान ने कटरीना को मान लिया था बीवी! अक्षय कुमार के सामने कही थी दिल की बात

सलमान खान और कटरीना कैफ ने साथ में कई फिल्में की हैं. दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने बड़े पर्दे पर खूब पसंद किया है. रील लाइफ के अलावा ये जोड़ी रियल लाइफ में भी काफी चर्चाओं में रही. क्योंकि, कभी सलमान खान और कटरीना कैफ एक दूसरे के प्यार में पूरी तरह से कैद थे. दोनों का रिश्ता किसी से छिपा नहीं है. सलमान और कटरीना ने एक दूसरे के साथ अच्छा खासा वक्त बिताया था, लेकिन बाद में दोनों की राहें अलग हो गईं.साथ काम करने के दौरान सलमान खान और कटरीना कैफ की नजदीकियां लगातार बढ़ती चली गईं. दोनों का इश्क लगातार परवान चढ़ते गया. सेलेब्स से लेकर फैंस तक सभी उनके रिश्ते के बारे में जानते थे. एक बार तो सलमान ने अक्षय कुमार के सामने ही कटरीना के लिए अपने दिल की बात कह दी थी और कटरीना को इनडायरेक्टली बीवी कह दिया था.

'आप दोनों एक घर के हो'

अक्षय कुमार और कटरीना कैफ एक बार सलमान खान के शो 'दस का दम' पर पहुंचे थे. सोशल मीडिया पर इस शो की एक वायरल क्लिप में अक्षय कह रहे हैं, मैं नहीं खेल सकता. आप दोनों मिले हुए हो. एक ही घर के हो. मैं पक्की बात बोलता हूं इसके (कटरीना) हाथ पर सब जवाब लिखे होंगे. इसके बाद अक्षय कटरीना के हाथ देखने लगते हैं.

इनडायरेक्टली कहा बीवी

अक्षय की बात सुनने के बाद सलमान ने कहा था, नहीं ऐसा नहीं होता है. क्या आप अपनी बीवी को हर चीज बताते हो ? नहीं ना, मैं भी इनको हर चीज नहीं बताता हूं. फिक्र नहीं कर, इसको कुछ नहीं पता. अगर बताता तो भी मैं तुझे भी बताता. लेकिन, मेरे को भी नहीं पता. यहां सलमान शो में पूछे जाने वाले सवालों के जवाब की बात कर रहे हैं.

बॉक्स ऑफिस पर छाई कटरीना

कटरीना कैफ की जोड़ी बड़े पर्दे पर सबसे ज्यादा सलमान खान और अक्षय कुमार के साथ ही पसंद की गई है. अक्षय के साथ उन्होंने 'दे दना दन', 'नमस्ते लंदन', 'तीस मार खान', 'सूर्यवंशी', 'हमको दीवाना कर गए' और 'वेलकम' जैसी फिल्में की. जबकि सलमान के साथ 'भारत', 'पार्टनर', 'युवराज', 'मैंने प्यार क्यों किया', 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है' और 'टाइगर 3' जैसी फिल्मों में नजर आईं.

प्रीति जिंटा

शादी से 7 साल पहले 34 बच्चों की मां बन चुकी है ये एक्ट्रेस, क्रिकेटर श्रेयस अय्यर से है खास कनेक्शन

बॉलीवुड के कई ऐसा पुरानी एक्ट्रेसेस हैं, जिन्होंने आज भी लोगों के दिल में अपनी जगह बनाई हुई है. भले ही उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली है, लेकिन वो अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं. ऐसी ही एक एक्ट्रेस की हम भी बात कर रहे हैं, जो कि आज कल काफी चर्चा में छाई हैं. दरअसल, यहां प्रीति जिंटा की बात की जा रही है, जो कि आखिरी बार साल 2018 में फिल्मों में नजर आई थीं. फिलहाल वो IPL 2025 के फाइनल में अपनी टीम पंजाब किंग्स के होने से सुर्खियां बटोर रही हैं.

प्रीति जिंटा ने साल 1998 में शाहरुख खान की फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी, फिल्म का नाम दिल से था. इस फिल्म में एक्ट्रेस ने छोटा सा रोल निभाया था. इस फिल्म के बाद वो क्या कहना में दिखाई दी थीं. हालांकि, फिल्मों में अपनी पहचान बनाने के साथ ही साथ उन्होंने लोगों के दिलों में भी खास जगह बना ली है. साल 2016 में एक्ट्रेस ने अपनी जिंगी को नया मोड़ दिया और उन्होंने शादी रचा ली, लेकिन शादी से 7 साल पहले ही एक्ट्रेस को मां का दर्जा मिल गया था.

34 बच्चों को लिया गोद

दरअसल, जब एक्ट्रेस अपना 34वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही थीं, तो वो दिन उन्होंने और खास बना दिया था. साल 2009 में वो 34 साल की हुई थी, जब उन्होंने 34 अनाथ बच्चों को गोद लेने का फैसला लिया था. इनमें सभी लड़कियां हैं. उस वक्त एक्ट्रेस ने इसके बारे में बात करते हुए इसे एक अनोखा एक्सपीरियंस बताया था. साथ ही उन्होंने ये भी कहा था कि वो इन सभी बच्चों का पूरी तरह से ध्यान रखेंगी और साथ ही वो साल में 2 बार उनसे मिलने ऋषिकेश आया करेंगी.

IPL टीम को लेकर सुर्खियां

एक्ट्रेस की पर्सनल लाइफ की बात करें, तो साल 2021 में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम के जरिए लोगों को जानकारी दी थी कि उन्होंने सरोगेसी के जरिए दो बच्चों जय और जिया का वेलकम किया है. अभी की बात करें, तो वो IPL टीम पंजाब किंग्स को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. एक्ट्रेस की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के फाइनल में जगह बना ली है.

दिल्ली के पीतमपुरा में Venus Lab Grown Diamonds and Jewellery शोरूम की ग्रैंड ओपनिंग, मंत्री और सेलेब्रिटी हुए शामिल!

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के पीतमपुरा क्षेत्र में Venus Lab Grown Diamonds and Jewellery शोरूम का भव्य उद्घाटन समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। यह शोरूम अंकुर गुप्ता के नेतृत्व में शुरू किया गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के उत्तर प्रदेश सरकार से मंत्री नंद कुमार गुप्ता, स्थानीय विधायक और विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, समेत कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।इस खास मौके की शोभा बढ़ाई यूट्यूबर और इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर रीवा अरोरा ने, जिनकी एंट्री शानदार डांस परफॉर्मेंस के साथ हुई। उन्होंने शोरूम का रिबन काटकर उद्घाटन किया और लेब्रोन डायमंड की कुछ चुनिंदा ज्वेलरी पहन कर उसका प्रदर्शन किया। रीवा अरोरा ने Venus की ज्वेलरी डिजाइन्स की खूब तारीफ की। Venus Lab Grown Diamonds and Jewellery द्वारा प्रस्तुत "लेब्रोन डायमंड" खासतौर पर चर्चा में रहा। यह हीरा अपनी चमक और बनावट में असली हीरे जैसा ही होता है, लेकिन कीमत में काफी किफायती होता है, जिससे यह ग्राहकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। ग्रैंड ओपनिंग के इस आयोजन में फैशन और इनोवेशन का बेहतरीन

संगम देखने को मिला और Venus Jewellery ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि लग्जरी अब सबके लिए सुलभ हो सकती है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर डिप्टी कमिश्नर हाउसिंग बरेली मांगे राम चौहान ने दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

दिव्य दिल्ली: मुरादाबाद ; विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरणविद एवं डिप्टी हाउसिंग कमिश्नर श्री मांगे राम चौहान जी ने पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने साथी अधिकारियों परवीन रावत आदि को साथ लेकर वृक्षारोपण कर न सिर्फ हरियाली का संदेश दिया, बल्कि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक भी किया।श्री चौहान ने कहा,विकास की अंधी दौड़ में हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। अगर आज हमने पर्यावरण की रक्षा नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए सांस लेना भी मुश्किल हो जाएगा। वृक्ष सिर्फ ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि जलवायु संतुलन, जैव विविधता और जीवन के हर रूप को टिकाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।"उन्होंने बताया कि पेड़ लगाना केवल एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं, बल्कि यह धरती मां के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को उन्होंने पौधों की देखभाल करने की शपथ भी दिलाई।लगातार बढ़ता प्रदूषण मानव स्वास्थ्य को गंभीर खतरे में डाल रहा है।श्री चौहान जैसे लोग पर्यावरण संरक्षण के इस विचार को निरंतर आगे बढ़ाते हुए,समाज में वैचारिक बदलवा की क्रांति की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। आज ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन और जल संकट जैसे संकट तेजी से बढ़ रहे हैं। पेड़-पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि ध्वनि, जल व वायु प्रदूषण को भी कम करते हैं।जैव विविधता को बनाए रखने के लिए हरित क्षेत्र अत्यंत आवश्यक हैं।
ह्य आज उद्देश्य न केवल पौधे लगाना था,

बल्कि यह भी सुनिश्चित करना था कि वे जीवित रहें और बढ़ें। श्री चौहान के अनुसार, हर व्यक्ति अपनी आयु के संख्या के बराबर पौधा रोपण कर अगर साल अपने जन्म दिवस पर सिर्फ एक पौधा भी लगाए और उसकी देखभाल करे, तो आने वाले वर्षों में भारत फिर से हरियाली की भूमि बन सकता है।

प्रतीक रूप से वृक्षों ने एकजुट होकर चीत्कार मार्च निकाला

वाराणसी । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को सामाजिक संस्था विशाल भारत संस्थान ने वृक्षों को मानवीय भावनाओं के साथ उनके दर्द को उजागर करने के लिए प्रतीक रूप से वृक्ष चीत्कार मार्च निकाला। संदेश दिया कि जहां सभी अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं, वहीं वर्षों से वृक्ष भी अत्याचार सह रहे हैं, जबकि इनका जीवन मानव सभ्यता के लिए है। बावजूद इसके इंसान इन वृक्षों को खत्म करने पर तुला हुआ है। जब इनकी नहीं सुनी गई, तब थक-हारकर वृक्षों ने अपना यूनियन बना लिया। अपने दर्द को दुनिया तक पहुंचाने के लिए वृक्ष यूनियन के सदस्य ने चीत्कार मार्च निकालकर अपना दर्द बताया और इंसानों के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया। प्रतीक रूप से वृक्षों के नवनिर्वाचित अध्यक्ष पीपल पाण्डेय ने कहा कि हम धरती पर आये ही हैं दूसरों के जीवन को बचाने के लिए। ऑक्सीजन न दें तो इंसान सांस न ले पाए। एक इंसान को जीवन भर में करोड़ों रुपए का ऑक्सीजन देते हैं, फिर भी हमें काट दिया जा रहा है।

सभी केंद्र- - शहरों में मकान बनाने वालों पर बढ़ेगा बोझ

लखनऊ शहरों में मकान बनवाने वालों पर आठ से नौ तरह के शुल्क का बोझ बढ़ सकता है। उच्च स्तर पर इसको लेकर मंथन चल रहा है। विकास प्राधिकरणों और आवास विकास परिषद से इस पर राय मांगी गई है। उनसे पूछा गया है कि जरूरतों के आधार पर कितना शुल्क लगाया जा सकता है। इसके आधार पर नगर योजना एवं विकास अधिनियम में इसका प्रावधान किया जाएगा। आवास विभाग मौजूदा समय भवन विकास एवं निर्माण उपविधि के साथ नगर योजना एवं विकास अधिनियम बनाने की कवायद में जुटा हुआ है। भवन विकास एवं निर्माण उपविधि के प्रारूप को लगभग अंतिम रूप से दिया गया है।
नगर योजना एवं विकास अधिनियम को बनाने पर मंथन चल रहा है। इसमें मौजूदा जरूरतों के आधार पर कई तरह के प्रावधान किए जाने हैं, जिससे विकास प्राधिकरण व आवास विकास परिषद की आर्थिक स्थिति बेहतर करने के साथ ही उन्हें और अधिक अधिकार दिए जा सकें। बढ़ सकता है विकास, अंबार, म्यूटेशन व एफएआर शुल्क नगर योजना एवं विकास अधिनियम पर मौजूदा समय राय-शुमारी चल रही है। इसके मौजूदा धारा-15 को संशोधित करते हुए विकास प्राधिकरणों को जरूरत के आधार पर नए शुल्क लगाने का अधिकार देने की तैयारी है। इसके साथ ही मौजूदा विकास शुल्क, प्रभाव शुल्क, निरीक्षण शुल्क, म्यूटेशन शुल्क, नगरीय उपयोग प्रभार, अंबार शुल्क, क्रय योग्य एफएआर शुल्क, शेल्टर शुल्क और मानचित्र स्वीकृत करने से संबंधित शुल्क को बढ़ाने का विचार है। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग मौजूदा जरूरतों के आधार पर इन शुल्कों में संशोधन करना चाहता है। काफी समय से इसमें बदलाव नहीं किया गया है, इसके चलते वर्षों पुराना शुल्क ही वसूला जा रहा है। इन शुल्कों को महंगाई के साथ जोड़ा जाएगा, जिससे मकान बनवाने वालों पर बोझ पड़ना तय माना जा रहा है। विकास प्राधिकरणों की राय-शुमारी के बाद शुल्क की दरें तय होंगी और फिर इसे कैबिनेट से मंजूर कराते हुए विकास प्राधिकरणों से इसे लागू करने को कहा जाएगा।

जल दान महादान!

दिव्य दिल्ली : बैशाख-ज्येष्ठ माह को ग्रीष्म ऋतु का सबसे गर्म महीना माना जाता है। इस माह में प्यासे को पानी पिलाने पर अधिक जोर दिया गया है। ऐसे मे इसे महा दान कहा गया है,इस माह में प्यासे को पानी पिलाना न केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी है, बल्कि यह धार्मिक रूप से भी अत्यंत पुण्य का कार्य माना गया है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि इस कार्य से न केवल मनुष्य को तृप्ति मिलती है, बल्कि दानकर्ता को भी

अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।इस पुण्य कार्य को बाबा गणिनाथ- गोविंदजी चेरिटेबल ट्रस्ट, नई दिल्ली प्रतिवर्ष की भाँति मृदुल शीतल, मीठा पानी (शरबत) का वितरण विभिन्न स्थलों पर कर कूल गुरुओ के आदर्शों व नर सेवा नारायण सेवा का संदेश दे रहा है। आज ट्रस्ट सदस्यों श्रीमान अमरनाथ गुप्ता, विनोद कुमार साह, रवींद्र कुमार, सी पी साह जी, संजय कुमार जी, मदन मोहन जी, अभय झा जी (मन्दिर पुजारी) आदि के द्वारा बाबा गणिनाथ मार्ग रोहिणी सेक्टर -२४, बुध विहार, दिल्ली मे स्टाल लगाया गया । कल मुकुंदपुर, दिल्ली मे श्री अमर नाथ गुप्ता, नीरज जी, राज कुमार जी, संजय जी, आनंद जी, शत्रुधन जी, विनय जी आदि ट्रस्ट सदस्यों द्वारा बाबा गणिनाथ गोविंद जी बहु उद्धेशिय भवन के मुख्य मार्ग पर स्टाल लगाया जायेगा। यह सेवा सतत जारी रहेगा। स्मरण रहे पलवैया के प्रसिद्ध धर्म युद्ध मे घायल अवस्था मे दया, मानवता के प्रतिमूर्ति श्री गोविंदजी महाराज ने अत्यधिक घायल व बंदी मलेछ प्रतिद्वंदी लाल खां को प्रथम भिस्ति से पानी पिलवाया और संपूर्ण जनमानस को मानवता का संदेश दिया। आइये इस तपती गर्मी मे आप भी इस पुण्य कार्य में सहभागी बने।

यूपी के 25 वाहन डीलरों को बड़ा झटका! एक महीने तक नहीं बेच सकेंगे गाड़ियां

लखनऊ। परिवहन आयुक्त ने वाहनों की पंजीयन प्रक्रिया में लगातार लापरवाही बरत रहे प्रदेश के 25 वाहन डीलरों के ट्रेड सर्टिफिकेट निलम्बित कर दिए हैं। यह निलम्बन फिलहाल तीन जुलाई तक प्रभावी रहेगा। इस अवधि में ये डीलर वाहनों की बिक्री नहीं कर सकेंगे। इन डीलरों में लखनऊ का अरना मेगाकॉर्प प्रा. लि. भी है। इनके अलावा आयुक्त ने 50 डीलरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

नोटिस मिलने पर भी सुधार नहीं हुआ

परिवहन आयुक्त ने बताया कि जनवरी से मई तक डीलरों के यहां लंबित पंजीकरण आवेदनों की जांच की गई है। इसमें पाया गया था कि 25 वाहन डीलर लगातार वाहन पंजीयन प्रक्रिया में लापरवाही बरत रहे हैं। परिवहन आयुक्त ने इन डीलरों को 21 अप्रैल और 15 मई को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। इसके बाद ही इन वाहन डीलरों ने इसमें

लापरवाही बरतना जारी रखा। कोई सुधार नहीं हुआ और डीलरों की ओर से संतोष जनक जवाब भी नहीं दिया गया। इस पर ही इन डीलरों का ट्रेड सर्टिफिकेट तीन जून से तीन जुलाई तक निलम्बित कर दिया गया है। इस अवधि में यह डीलर पंजीकरण आवेदन भी विभागीय पोर्टल वाहन पर अपलोड नहीं कर सकेंगे।

इन डीलरों का सर्टिफिकेट निलम्बित हुआ

लखनऊ का अरना मेगाकॉर्प प्रा. लि., बाराबंकी का बाराबंकी ऑटो सेल्स एंड सर्विस, ब्राइट टू व्हील सेल्स और कल्याण मोटर्स, सीतापुर का नरेंद्र ऑटोमोबाइल्स, अग्रवाल ऑटो सेल्स व बुद्धराम ऑटो, कुशीनगर का गुप्ता ऑटोमोबाइल्स और गुप्ता ऑटो सेल्स, सम्भल का बदर मोटर्स, प्रतापगढ़ का मेसर्स जनता ट्रेडिंग कंपनी, महाराजगंज का शुभम ऑटोमोबाइल्स और चंद्रा सेल्स, रायबरेली का शक्ति ऑटो, जौनपुर का मेसर्स ऑटो व्हील्स, संतकबीरनगर का भारत ऑटो सेल्स, फतेहपुर का श्याम मोटर्स, गाजीपुर का शिवा ऑटो सेल्स, रामपुर का आरएन मोटर्स, औरैया का श्याम मोटर्स, अंबेडकरनगर का जय ऑटो मोबाइल्स, मुरादाबाद का क्रॉस व्हील ऑटो, बस्ती का अपलाइफ सॉल्यूशन, प्रयागराज का सरस्वती मोटर्स और उन्नाव का विशाल मोटर्स।

50 डीलरों को 14 दिन का समय

जिन 50 अन्य डीलरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, उन्हें 14 दिन का समय दिया गया है। इन्हें चेताया गया है कि नोटिस जारी होने से 14 दिन के भीतर लंबित फाइलों को निस्तारण कर दें। ऐसा न करने पर उनके भी ट्रेड सर्टिफिकेट के निलम्बन की कार्रवाई की जाएगी।

संभागीय परिवहन अधिकारी अनीता सिंह का कहना है कि पंजीकरण प्रक्रिया में लापरवाही, नियमों की अवहेलना, पंजीकरण पुस्तिका समय से उपलब्ध नहीं कराने पर 50 वाहन डीलरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। इसमें से 25 ने अपेक्षित सुधार नहीं किया। जिस पर यह कार्रवाई की गई है।

यूपी में आज से छंटे बादल, हवाओं से राहत, बढ़ेगी तपन-गर्मी

लखनऊ। पश्चिमी विक्षोभ का असर बुधवार को यूपी के कई जिलों में दिखा। शहरों में हल्के बादल छाए रहे और तेज हवाएं चलीं। इससे दिन और रात का पारा सामान्य से काफी कम रहा। दिन का पारा 03 और रात का तापमान सामान्य से 04.5 डिग्री कम रहा। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार के लिए कोई अलर्ट नहीं है। तेज धूप रहेगी और पारा भी चढ़ेगा। जून की शुरूआत में आंधी, पानी ने तापमान गिराया। बुधवार को जिलों में यलो से ऑरेंज अलर्ट रहा। कुछ शहरों में थोड़ा ही असर दिखा। धूप की तपिश नहीं बढ़ी। फिर भी दिन का पारा 35.5 से 37.9 डिग्री पहुंच गया। इसके विपरीत रात का तापमान 26.0 से घटकर 23.2 डिग्री हो गया।

अभी भी नमी अधिक, अब बढ़ेगी उमस

वातावरण में नमी का प्रतिशत कम नहीं हुआ है। अधिकतम नमी 66 और न्यूनतम 42 फीसदी रही। तापमान बढ़ने के साथ नमी घटेगी। जब तक नमी नहीं घटती है तब तक उमस भरी गर्मी हो सकती है। बुधवार को पश्चिमी हवाएं चलीं। इसकी रफ्तार कम रही। गुरुवार से इसकी रफ्तार बढ़ेगी। औसतन 08-10 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ते ही लू का अहसास शुरू हो जाएगा।

जून में अब तक नहीं चढ़ा पारा

नौतपा दो जून को खत्म हो गया लेकिन इस दौरान पारा नहीं चढ़ा। यही नहीं जून के प्रथम चार दिवसों में भी तापमान सामान्य से काफी कम रहा है। इस माह सर्वाधिक तापमान 01 जून को 38.4 डिग्री रहा है। शेष दिवसों में पारा इससे कम रहा है। मई की तरह जून में भी रात का पारा एक भी दिन 30 डिग्री या इससे आगे नहीं बढ़ा है। फिलहाल जून में गर्मी बेहद सामान्य और सहने वाली रही है।

12-13 से फिर विक्षोभ

मौसम विभाग के अनुसार, यदि स्थानीय स्तर पर कोई विक्षोभ नहीं बनते हैं तो 12-13 जून को पाकिस्तान की ओर से नया विक्षोभ प्रभाव डालेगा। इससे पहले तापमान बढ़ेंगे लेकिन फिर तापमान में गिरावट आएगी। मौसम विभाग का कहना है कि हल्के विक्षोभ अभी भी बन सकते हैं। इसका असर यदि उत्तर प्रदेश में पड़ता है तो तीन से चार दिन बाद तापमान फिर गिरने लगेगा।

नए मेट्रो रूट पर पुराने लखनऊ में जमीन के अंदर सीवर, सर्वे जुलाई से

लखनऊ। प्रमुख संवाददाता लखनऊ मेट्रो के द्वितीय चरण में भूमिगत स्टेशनों और ट्रैक के निर्माण के लिए जमीन के अंदर की स्थिति जानने के लिए अगले महीने से सर्वे कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस दौरान यह पता लगाया जाएगा कि मेट्रो ट्रेन के लिए निर्धारित रूट में जिन क्षेत्रों में सीवर और पाइन लाइन जमीन के अंदर से गुजरी है, उससे कहीं ट्रैक बिछाने में बाधा तो नहीं आएगी। साथ में बिजली और टेलीफोन केबिल सहित केबिल वायर के बारे में भी पता लगाया जाएगा। मेट्रो के द्वितीय चरण के लिए पब्लिक इंवेस्टमेंट बोर्ड(पीआईबी) से मंजूरी मिल चुकी है। अब केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी मिलना बाकी है। संभावना है कि केंद्रीय कैबिनेट से एक-दो माह में मंजूरी मिल जाएगी। उसके बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। दूसरे चरण का मेट्रो चारबाग से वसंतकुंज तक जाएगा। इस रूट पर कुल 12 स्टेशन बनाए जाएंगे। इसमें से सात स्टेशन भूमिगत होंगे।

बिना अधिग्रहण बांटी गई 8 हजार वर्गमीटर जमीन, योगी सरकार ने तीन अधिकारियों के सस्पेंड

लखनऊ। योगी सरकार ने ग्रेटर नोएडा के पटवारी गांव में अधिग्रहण किए बिना ही 8000 वर्ग मीटर भूमि का आवंटन करने के मामले में तीन अधिकारियों के गम्भीर रूप से दोषी पाए जाने पर सस्पेंड कर दिया गया है। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने सोमवार को तीनों अधिकारियों को निलंबित कर अनुशासनिक कार्रवाई संस्थित करने के निर्देश दिए।
मंत्री नंदी ने कहा कि बाकी कर्मचारियों की भूमिका के सम्बंध में भी जांच चल रही है। उनकी भूमिका को भी स्पष्ट करते हुए सूचना मांगी गई है। यदि उनकी भी गम्भीर लिप्तता सामने आएगी तो उनके खिलाफ भी कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। किसी भी अधिकारी एवं कर्मचारी की मनमानी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साल 2008 में ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा पतवारी गांव में जमीन अधिग्रहण की प्रकिया शुरू की गई थी। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण की योजना एलओपी-03 के अंतर्गत ग्राम पतवारी के खसरा संख्या 1245 में भूखण्ड नियोजित किए गए थे। पटवारी गांव की भूमि पर आवासीय प्लॉट योजना की शुरूआत की।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397